हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 5, अंकः 345, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 25 मई, 2021 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

चक्रवाती तूफान में बदला यास, 26 मई को ओडिशा-बंगाल के तटों से गुजर सकता है

भुवनेश्वर/कोलकाता। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान यास में बदल गया है और इसके अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने के बाद 26 मई को ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों से गुजरने का अनुमान है। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। कोलकाता के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक संजीब बंदोपाध्याय ने बताया कि ह्यासह्न के 26 मई की दोपहर को पारादीप और सागर द्वीपों के बीच होते हुए ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों से गुजरने का अनुमान है। यह एक बहुत ही भीषण चक्रवाती तूफान होगा जिसमें 155-165 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार की सुबह यह दबाव का क्षेत्र ओडिशा के पारादीप तथा पश्चिम बंगाल के दीघा के बीच था और इसके उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने तथा मंगलवार तक अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने का अनुमान है। विभाग के अनुसार बुधवार सुबह तक ह्यासह्न अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि चक्रवात पर नजर रखने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य

सचिवालय नबन्ना में नियंत्रण कक्ष खोले हैं। उन्होंने बताया कि तटीय जिलों पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण तथा उत्तर 24 परगना, हावड़ा तथा हुगली में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। यहां कुछेक स्थानों पर 25 मई से भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मई को झारग्राम, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण तथा उत्तर 24 परगना, हावड़ा तथा हुगली और कोलकाता में जयादातर जगहों पर हल्का से मध्यम और एक या दो स्थानों पर भारी से ले कर अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान है। ओडिशा सरकार ने बचाव दलों को तैनात किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार संवेदनशील इलाकों से लोगों को निकालने की योजना बना रही है। विशेष राहत आयुक्त पीके जेना ने बताया कि ओडिशा सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल और दमकल सेवा कर्मियों को तैनात किया है। उसका अनुमान है कि बालासोर तथा भद्रक जिलों में चक्रवात का बहुत अधिक असर हो सकता है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने बताया, ओडिशा के चार तटीय जिले बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा तथा जगतसिंहपुर इस चक्रवात से सर्वाधिक प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि 120-165 प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और ओडिशा में भारी बारिश होगी। जेना ने बताया कि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन को योजना बनाने को कहा गया है।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में आगे आया बीसीसीआई, ऑक्सीजन कंसट्रेटर्स करेगा दान

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के जारी जंग में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आगे आया है। बोर्ड ने सोमवार को घोषणा की कि महामारी पर काबू पाने में भारत के प्रयासों में मदद के लिए 10-लीटर 2000 ऑक्सीजन कंसट्रेटर का योगदान देगा। देश में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हालात बेकाबू होने से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई। इस दौरान लोग अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन समेत अन्य मेडिकल सुविधाओं के लिए जूझते दिखाई दिए। ऐसे में अगले कुछ महीनों में, बोर्ड इस उम्मीद के साथ पूरे भारत में ऑक्सीजन कंसट्रेटर्स को वितरित करेगा कि जरूरतमंद रोगियों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता और देखभाल प्रदान की जाए और इस पहल से महामारी के कहर को कम करने में मदद मिले। बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, 'बीसीसीआइ ने चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा समुदाय की शानदार भूमिका की सराहना करता है, जो इस वायरस के खिलाफ इस लंबी लड़ाई जारी रखे हुए हैं। वे वास्तव में फ्रंटलाइ वॉरियर्स रहे हैं और हमें बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया है। बोर्ड ने हमेशा स्वास्थ्य और सुरक्षा को सबसे ऊपर रखा है और इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है।

अगले तीन दिनों में राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को मिलेंगी 48 लाख कोरोना वैक्सीन की खेप : केंद्र

नई दिल्ली। 1.80 करोड़ कोरोना वैक्सीन की खुराक अभी भी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के पास है और आगामी तीन दिनों में इन्हें वैक्सीन की 48 लाख डोज और मिलने वाले हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई। केंद्र ने अब तक मुफ्त व राज्यों की ओर से खरीदे गए खेपों में 21.80 करोड़ वैक्सीन की डोज का वितरण किया है। 23 मई तक कुल 20,00,08,875 डोज दिए जा चुके हैं। इसमें वैक्सीन की बर्बाद हुई खुराकें भी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया '1.80 करोड़ (1,80,43,015) से अधिक कोरोना वैक्सीन की खुराक अभी भी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में हैं जो लोगों को दी जा सकती है। इसके अलावा 48 लाख (48,00,650) से अधिक वैक्सीन भेजे जाने की प्रक्रिया जारी है जो अगले तीन दिनों में मिल जाएगी।' देशव्यापी वैक्सीनेशन अभियान के तहत केंद्र की ओर से राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को सहयोग दिया जा रहा है कि लोगों को मुफ्त वैक्सीन की खुराक उपलब्ध कराई जा सके। इसके अलावा यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है कि राज्य व केंद्रशासित प्रदेश सीधे ही वैक्सीन खरीद सकें। आज सुबह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस की 9,42,722 वैक्सीन लगाई गईं, जिसके बाद देश में अब तक कुल

वैक्सीनेशन का आंकड़ा 19,60,51,962 हो गया। 16 जनवरी से शुरू होने वाले भारत में वैक्सीनेशन अभियान के तीसरे चरण में 18-44 साल की उम्र के लोगों को 1 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन लगाई गई है। बता दें कि देश में अभी कोविशील्ड और कोवैक्सीन के अलावा रूसी वैक्सीन स्पुतनिक वी भी मौजूद है। आज मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों के दौरान भारत में कोविड-19 संक्रमण के 2,22,315 नए मामले आए और 4,454 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद देश में अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा 2,67,52,447 हो गया और कुल मौतों की संख्या 3,03,720 हो गई है।

कोरोना के खिलाफ देश में आया दवाओं का एक कॉकटेल

नई दिल्ली। ड्रग की दिग्गज कंपनी रोश इंडिया व सिप्ला ने सोमवार को भारत में एंटीबडी कॉकटेल लॉन्च की जो कोरोना के खिलाफ जंग में काम आएगी। इसके एक खुराक की कीमत 59,750 रुपये है। सिप्ला और रोश ने संयुक्त बयान में कहा, 'एंटीबडी कॉकटेल अब भारत में उपलब्ध है । इसकी दूसरी खेप जून मध्य तक देश में आ सकेगी। कुल मिलाकर इससे 2,00,000 संक्रमित मरीजों का इलाज किया जा सकता है। 1,00,000 पैक के एक पैकेट में दो मरीजों का उपचार हो सकता है।' रोश की ओर से विकसित इस कॉकटेल दवा कासिरिविमैब और व वइमदेविमैब को शामिल किया गया है जिसे भारत में इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने कोरोना महामारी को देखते हुए इस एंटीबॉडी ड्रग के डेटा का निरीक्षण किया था।

वैक्सीनेशन से कोरोना को देंगे मात, 18 से 44 साल के 1 करोड़ लोगों को लगा टीका

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के साथ लड़ी जा रही इस लड़ाई में टीकाकरण हमारा मुख्य हथियार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया

कि देश में वैक्सीनेशन अभियान के तीसरे चरण के तहत 18-44 साल के 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। वहीं देश में अब तक कुल 19.60 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज लगाई गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 1,06,21,235 टीकों में से, सबसे अधिक राजस्थान (13,17,060), बिहार (12,27,279) और उत्तर प्रदेश (10,70,642) में प्रशासित किया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 18-44 आयु वर्ग के 9,15,275 लोगों को टीका लगाया गया। 654 खुराक के साथ, तेलंगाना में उक्त आयु वर्ग के लोगों की संख्या सबसे कम है। भारत में सुबह 7 बजे तक के अस्थायी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 28,16,725 सत्रों के दौरान कुल 19,60,51,962 वैक्सीन खुराक दी गई हैं। देश में अब तक दी गई कुल खुराक में दस राज्यों की हिस्सेदारी 66.30 फीसदी है। राज्य के लोगों को दी गई 2,07,60,193 वैक्सीन खुराक के साथ महाराष्ट्र इस सूची में सबसे आगे है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक। मध्य प्रदेश, बिहार, केरल और आंध्र प्रदेश सूची में अन्य राज्य हैं। भारत में कोविड-19 से दैनिक रूप से ठीक होने वालों की संख्या लगातार 11वें दिन संक्रमण के दैनिक नए मामलों से अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 3,02,544 ठीक हुए हैं। दस राज्यों - केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और हरियाणा - में नई वसूली का 72.23 प्रतिशत हिस्सा है।

राहुल गांधी का बयान, कहा- लगता है कि केंद्र सरकार को टीकाकरण की परवाह नहीं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान में कथित तौर पर कमी आने को लेकर सोमवार को चिंता जताई और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को टीकाकरण की कोई परवाह नहीं है। उन्होने रोजाना होने वाले टीकाकरण की संख्या में कथित गिरावट का ग्राफ साझा करते हुए ट्वीट किया, टीकाकरण महामारी पर नियंत्रण करने की कुंजी है, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार इसकी परवाह नहीं करती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने दिल्ली समेत कुछ राज्यों में 18 से 44 साल के बीच के आयुवर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण रुक जाने का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, दिल्ली और तेलंगाना के बाद महाराष्ट्र ने टीकों की कमी का हवाला देते हुए 18 से 44 आयु वर्ग के टीकाकरण को निलंबित कर दिया है। फिर भी, केंद्रीय गृह मंत्री या गृह मंत्रालय ने टीकों की किसी भी कमी से इनकार किया है। पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने कहा, खबरों के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है

कि भारत के दर्जनों जिलों में व्यावहारिक रूप से कोई टीकाकरण नहीं है, लेकिन जिलेवार आंकड़े प्रकाशित नहीं होते हैं। सरकार के इनकार और बेरुखी के शिकार वे लोग हैं जो अपने टीकाकरण की बारी का इंतजार कर रहे हैं।

यूपी चुनाव भाजपा के लिए बड़ी चुनौती, संघ के साथ हुई बैठक, मोदी-शाह भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी रणनीति पर काम करने की शुरूआत कर चुकी है। उत्तर प्रदेश की जमीनी हालात को जानने के लिए भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेताओं के बीच मंथन जारी है। सूत्र बता रहे हैं कि रविवार को उत्तर प्रदेश चुनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच महामंथन की गई। खास बात यह है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन मंत्री सुनील बंसल और आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले शामिल थे। इन नेताओं के बीच उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर गंभीर मंत्रणा हुई और साथ ही साथ सरकार की छवि को हुए नुकसान पर चिंता जताई गई।

सूत्र दावा कर रहे हैं कि भाजपा संगठन मंत्री सुनील बंसल पिछले 2 दिनों से दिल्ली में ही डटे हुए हैं। यह भी कहा जा रहा है कि नेताओं

की बैठक उत्तर प्रदेश चुनाव के मद्देनजर काफी अहम रही। पार्टी ने ऐसे कई महत्वपूर्ण निर्णय जरूर लिए होंगे जिससे उसकी जमीनी पकड़ राज्य में मजबूत हो सके। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने में असफल रही भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह से रणनीति पर काम कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में पार्टी और संगठन ऐसी ही रणनीति पर जोर देते नजर आए जिससे कि पार्टी की छवि को पहुंचे नुकसान की भरपाई की जा सके। जाहिर सी बात है कि कोरोना वायरस की वजह से केंद्र और राज्य सरकारों की छवि जरूर खराब हुई है। इस बैठक में इसी बात को लेकर सबसे ज्यादा चिंता जाहिर की गई। इस बैठक में उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव में भाजपा को मिली हार पर भी मंथन हुई। इससे पहले पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, महामंत्री संगठन सुनील बंसल और क्षेत्रीय अध्यक्ष और पंचायत चुनाव से जुड़े पदाधिकारी के बीच एक बैठक हो चुकी है।

बिहार में एक बार फिर बढ़ा लॉकडाउन राज्य में 1 जून तक जारी रहेंगी पाबंदियां

पटना। बिहार में 16 से 25 मई तक के लिए लागू लॉकडाउन को और 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। अब 1 जून तक लॉकडाउन रहेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को स्वयं ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अपने ट्वीट में लिखा है कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए 5 मई 2021 से तीन सप्ताह के लिए लॉकडाउन लगाया गया था। आज फिर से सहयोगी मंत्रीगण एवं पदाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की गई। लॉकडाउन का अच्छा प्रभाव पड़ा है और कोरोना संक्रमण में कमी दिख रही है। अतः बिहार में 25 मई के आगे एक सप्ताह के लिए अर्थात 1 जून, 2021 तक लॉकडाउन जारी रखने का निर्णय लिया गया है। लॉकडाउन का अच्छा प्रभाव पड़ा है और कोरोना संक्रमण में कमी दिख रही है। अतः बिहार में 25 मई के आगे एक सप्ताह के लिए अर्थात 1 जून, 2021 तक लॉकडाउन जारी रखने का निर्णय लिया गया है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए 5 मई 2021 से तीन सप्ताह के लिए लॉकडाउन लगाया गया था। आज फिर से सहयोगी मंत्रीगण एवं पदाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की गई। कोरोना की दूसरी लहर में कोरोना संक्रमण के राज्य में बढ़ते मामले को देखते हुए सबसे पहले पांच से 15 मई तक लॉकडाउन लगाया गया। फिर 16 से 25 मई तक के लिए इसका विस्तार किया गया। 16 मई से विस्तारित लॉकडाउन में दुकानों के खुलने के समय में परिवर्तन करने के साथ ही कुछ अन्य पाबंदी लगाई गई। लॉकडाउन के बाद राज्य में प्रतिदिन कोरोना संक्रमित होने वालों की संख्या में कमी आई है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा था कि लॉकडाउन में बिहारवासियों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। जनता गाइडलाइन का पालन कर रही है। इसी का नतीजा है कि अब मरीजों की संख्या में कुछ दिनों में कमी आ रही है। मुख्यमंत्री ने बिहारवासियों से अपील करते हुए कहा कि इसके पूर्व भी मैंने आपको संबोधित किया है।

टूट की ओर पंजाब कांग्रेस ! बाजवा ने आलाकमान को दिया 45 दिन का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। पंजाब में कांग्रेस के लिए समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। आने वाले साल में वहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन जिस तरह से कांग्रेस के भीतर गुटबाजी की खबरें हैं उससे कहीं ना कहीं पार्टी की स्थिति कमजोर दिखाई पड़ रही है। पार्टी के अंदर की लड़ाई नित्य नए और गंभीर मोड़ ले रही है। नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच की टकराव की खबरें तो लगातार रहती है। इन सब के बीच अब प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रताप सिंह बाजवा भी अमरिंदर को चुनौती दे रहे हैं। बाजवा ने तो पार्टी को 45 दिन का समय तक दे दिया है। बाजवा श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों पर कार्रवाई की लगातार मांग कर रहे हैं। सिद्धू भी इसी मामले को लेकर मुख्यमंत्री अमरिंदर को घेर रहे हैं।

पंजाब में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के विरोध वाले सारे नेता अब गोलबंद होते दिखाई दे रहे हैं। बाजवा ने तो पार्टी को 45 दिन का अल्टीमेटम देते हुए यह तक कह दिया कि अगर हमारी बात नहीं सुनी गई तो मैं भी आजाद होऊंगा और कैप्टन अमरिंदर सिंह भी। दोनों के रास्ते अलग अलग हो जाएंगे। यानी कि बाजवा पार्टी में टूट के संकेत दे रहे हैं। साथ ही साथ यह भी बताने की कोशिश कर रहे हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वह कैप्टन के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। कांग्रेस में भी टूट का डर है। बाजवा का यह अल्टीमेटम उसके लिए

परेशानी का सबब है। कांग्रेस जानती है कि अगर बाजवा को मनाया नहीं जाता है तो कहीं ना कहीं आने वाले दिनों में वह उसके लिए चुनौती बन सकते हैं। कांग्रेस को यह लगता है कि भाजपा बाजवा पर डोरे डाल सकती है। अकाली दल गठबंधन से अलग होने के बाद भाजपा को पंजाब में बड़े चेहरे की तलाश है। भाजपा के साथ फिलहाल सिद्धू भी नहीं है। हमने देखा है कि किस तरह से भाजपा के पास है जिन राज्यों में प्रभावशाली वजूद नहीं रहा है वहां वह दूसरे दलों के नेताओं को तोड़कर सत्ता में आ रही है। हाल में ही हमने असम का भी उदाहरण देखा। असम में किस तरह से हिमंत बिस्वा सरमा को लेकर भाजपा आगे बढ़ी और पूर्वोत्तर में आज अपने आप को बहुत मजबूत कर चुकी है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भी हमने देखा कि किस तरह से भाजपा तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को तोड़कर अपने पार्टी में शामिल कराने में कामयाब रही। यही कारण रहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में अब दूसरे नंबर की पार्टी बन गई है। उसके वोट शेयर में भी बढ़ोतरी देखी गई है। बाजवा की टूट कांग्रेस के लिए संकट है। बाजवा खुद को पंजाब में मुख्यमंत्री का चेहरा मानते रहे हैं। उनके अंदर मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा है। एक वक्त पर कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उन्हें पंजाब में कैप्टन के विकल्प के रूप में पेश जरूर किया था लेकिन बाद में जैसे ही पार्टी को लगा कि बाजवा पर दांव लगाना गलत है उसने कैप्टन अमरिंदर को आगे कर दिया और सरकार बन गई।

सिसोदिया ने की केंद्र से अपील, वैक्सीन निमार्ता कंपनी मॉडना-फाइजर टीका बनाने की दें मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर लगातार घमासान मचा हुआ है। दिल्ली में बेड, ऑक्सीजन के बाद अब वैक्सीन की किल्लत हो गयी है। युवाओं को वैक्सीनेशन दूर की बाद है

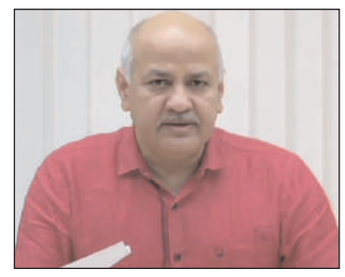

45 साल से उपर के बुजुर्गों का भी वैक्सीनेशन बंद होने की कगार पर है। आधे से ज्यादा केंद्र बंद किए जा चुके हैं। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज मीडिया में बयान जारी करके कहा कि दिल्ली में 18 से 44 वर्ष के लोगों के लिए सभी 400 टीकाकरण केन्द्र बंद, 45 साल या उससे अधिक आयु के लोगों के लिए कोवैक्सिन सेंटर भी बंद।

दिल्ली सरकार ने मॉर्डना, फाइजर से बात की, उन्होंने हमें सीधे टीके बेचने ने मना करते हुए कहा कि उनकी केन्द्र से बातचीत हो रही है। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केन्द्र से टीकाकरण अभियान को मजाक ना बनाने और मॉर्डना, फाइजर के टीकों को तत्काल मंजूरी देने की अपील की। आपको बता दें कि अमेरिका की कोविड-19 टीका निमार्ता कंपनी मॉर्डना ने सीधे पंजाब सरकार को टीका भेजने से इंकार करते हुए कहा है कि उसका केवल केंद्र सरकार के साथ व्यवहार है। यह जानकारी रविवार को राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। टीके के लिए पंजाब के नोडल अधिकारी विकास गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के निर्देश के मुताबिक सभी टीका निमार्ताओं से सीधे तौर पर टीका खरीदने के लिए संपर्क किया गया जिनमें स्पूतनिक वी, फाइजर, मॉर्डना और जॉनसन एवं जॉनसन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मॉर्डना की तरफ से जवाब आया है जिसमें कंपनी ने राज्य सरकार के साथ समझौता करने से इंकार कर दिया है।

संपादकीय

नक्सली मंसूबे

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में हुई ताजा नक्सली मुठभेड़ से एक बार फिर यह सवाल गाढ़ा हुआ है कि तमाम प्रयासों के बावजूद आखिर सरकारें इस समस्या से पार पाने में क्यों विफल साबित होती हैं। गनीमत है कि इस हमले में सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। तेरह नक्सली मारे गए। इसे वहां की पुलिस अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही है। दो साल पहले उसी इलाके में नक्सलियों ने पंद्रह पुलिसकर्मियों को घात लगा कर मार डाला था। यह मुठभेड़ ऐसे समय में हुई जब राज्य के गृहमंत्री उस इलाके के दौरे पर थे। नक्सली ऐसे अवसरों की तलाश करते रहते हैं, जब सुरक्षाबलों पर हमला करके वे सरकारों को चुनौती दे सकें। पिछले ही महीने छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला करके भारी नुकसान पहुंचाया था। तब भी उनकी रणनीतियों से पार पाने के उपायों पर जोर दिया गया था। जब भी ऐसे नक्सली हमले होते हैं, तो सरकारें अपनी कमजोरियों को दुरुस्त करने और नक्सलियों के मंसूबे तोड़ने के व्यावहारिक तरीके अपनाने का संकल्प करती हैं, पर वे विफल ही देखी जाती हैं। सुकमा की घटना के बाद शहीद सुरक्षाबलों को श्रद्धांजलि अर्पित करने केंद्रीय गृहमंत्री भी गए थे। तब भी उम्मीद की गई थी कि इस समस्या से पार पाने के लिए किसी नई रणनीति पर विचार होगा। नक्सली समस्या पर काबू पाने के मकसद से पहले दोनों पक्षों के बीच वाताओं के कई दौर भी चले थे, मगर उसमें कोई नतीजा नहीं निकला। फिर सरकारों ने उन्हें हथियार के बल पर रोकने की रणनीति बनाई। अब कई सालों से बातचीत की कोई पहल भी नहीं होती। अनेक अंचलों में नक्सलियों के सफाए के लिए व्यापक अभियान चलाए गए, दावे किए गए कि अब उनकी कमर टूट चुकी है और वे फिर से सिर नहीं उठा सकेंगे, मगर वे दावे सच साबित नहीं हुए। नक्सली मुख्य रूप से देश के आदिवासी बहुल इलाकों में सक्रिय हैं और वे स्थानीय लोगों को इस तर्क पर अपने समर्थन में जोड़ लेते हैं कि सरकारें उनके जल, जंगल और जमीन पर कब्जा करना चाहती हैं। इस तरह उनका नैसर्गिक जीवन प्रभावित होगा। यह बात पूरी तरह गलत भी नहीं है। कई जगह सरकारें खनिज और कल-कारखानों के लिए आदिवासी इलाकों की जमीन जबरन अधिग्रहीत करने का प्रयास भी करती देखी गई हैं। इससे उनमें स्वाभाविक रूप से असंतोष पनपा है। हालांकि आदिवासियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि के लिए योजनाएं चलाने और उनमें पनपी नाराजगी को दूर करने के भी प्रयास हुए हैं, मगर उन पर नक्सलियों का प्रभाव ही गहरा नजर आता है। दरअसल, नक्सलियों की ताकत जंगलों के भीतर और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोग ही हैं, जिनसे उन्हें सहयोग मिलता है। सरकारें जब तक स्थानीय लोगों का विश्वास हासिल नहीं करतीं, तब तक नक्सलियों की ताकत कम कर पाना संभव नहीं है। इसके लिए अनेक बार प्रयास हुए, पर सफलता नहीं मिली तो उसमें कहीं न कहीं सरकारी रणनीति की कमजोरी है। जब तक अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से नक्सली साजिशों का पता लगाने और उनके संसाधनों को खत्म करने का तंत्र मजबूत नहीं होता, तब तक नक्सलियों पर काबू पाना मुश्किल ही रहेगा। नक्सली भी अब जंगलों में कई तरह के धंधे चलाने लगे हैं, उन्होंने जगह-जगह अपना साम्राज्य बना लिया है। उस साम्राज्य को तोड़ने के लिए स्थानीय लोगों का समर्थन जरूरी है। जब तक सरकारें इस दिशा में नए ढंग से रणनीति नहीं बनातीं, नक्सलियों के मंसूबे शायद ही कमजोर हों।

चले यदि क्रमवार!

अनुशासन में हैं अब सारे ।
हुआ संक्रमण कम ।।
थी तबाही जो चरम ।
अब हुई है कम ।।
सावधानी इस प्रकार ।
चले यदि क्रमवार ।।
महामारी जाने की ।
तय बनना आसार ।।
मूर्खता अब वाला ।
हो ना कोई काम ।।
खत्म हो निरसता ।
पसरी जो तमाम ।।
सख्त रहे सरकार ।
बढ़ जाए सुविधाएं ।।
लिप्त गलत जो काम में ।
फौरन उसे हटाएं ।।

–कृष्णेन्द्र राय

रोजगार का बुनियादी सवाल

प्रेमपाल शर्मा

कोरोना महामारी ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर डाला है। भारत जैसे देश पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है, इसमें भी खासतौर से उत्तर भारत पर। पिछले साल इतने कष्ट सहने के बावजूद प्रवासी कामगार बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल के अपने गांव तो पहुंच तो गए थे, लेकिन महीने-दो महीने में ही रोजगार का संकट गहराने लगा क्योंकि वहां करने को कुछ रह ही नहीं गया था। फिर से यह उन्हीं महानगरों और विशेषकर दक्षिण भारत की तरफ लौटने लगे। थोड़ी बहुत आर्थिक मदद भी राज्य और केंद्र सरकार ने दी, लेकिन यह ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर ही रही। ऐसी योजनाओं का खाका अभी भी दूर-दूर तक नहीं दिखाई देता जो इन लोगों को रोजगार दे सके।

महामारी से निपटने के लिए भारत सहित पूरे विश्व में टीकाकरण की जरूरत है। टीके के लिए दुनिया के कम से कम सौ राष्ट्र भारत से आस लगाए हैं। ज्यादातर देशों ने तो भारतीय टीका निमार्ता कंपनियों को पैसा भी पहले दे दिया और इसी वजह से व्यापार की सामान्य मयादाओं के तहत उनको टीका पहले दे दिया गया। लेकिन प्रश्न है टीका बनाने वाली ये कंपनियां हैं कहां? ज्यादातर महाराष्ट्र में और कुछ दक्षिण भारत के दूसरे राज्यों में। महामारी से निपटने के लिए जरूरी दवाइयां, ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन सांद्रक और सिलेंडर सहित अन्य जरूरी चीजें तैयार करने की ज्यादातर फैक्ट्रियां विंध्याचल के उस पार ही हैं। ऑक्सीजन, दवाई आदि की कुव्यवस्था के लिए केंद्र पर उंगली ठीक ही उठाई गई। लेकिन उतना ही महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि उत्तर के राज्यों में यह उद्योग क्यों नहीं सांस ले पाते और अंततः आम जनता रोजी-रोटी की तलाश में हजारों मील दूर जाकर काम करने को क्यों विवश है? यहां तक कि जो स्वास्थ्य सुविधाएं कानपुर, मेरठ, उन्नाव जौनपुर, भागलपुर, समस्तीपुर में दी जा सकती हैं, उनके लिए भी दिल्ली और मुंबई की तरफ दौड़ मची है। यदि उद्योग, स्कूल, अस्पताल इन राज्यों में ढंग से काम करना शुरू कर दें तो भविष्य में बेरोजगारी के संकट से कुछ तो बचा जा सकता है। पिछले कई दशक इस बात के गवाह हैं कि सरकारी नौकरियों पर जितना आश्रित उत्तर भारत है, उतना दक्षिण भारत नहीं। उदारीकरण के बाद सरकार की घोषित नीति सरकारी कर्मचारियों की संख्या कम करने की रही है। वर्ष 1991 में तत्कालीन वित्त मंत्री ने हर साल दस फीसद कर्मचारी कम करने के आदेश भी निकाले थे। उसके बाद लगातार सरकारी कर्मचारियों की संख्या घटती गई। कम से कम जिस अनुपात में देश की आबादी बढ़ी है, साक्षरता बड़ी है, सरकारी नौकरियां उस रफ्तार से नहीं बढ़ीं और मौजूदा वैश्विक परिदृश्य और आर्थिक स्थितियों के चलते यह अब संभव भी नहीं है। छठे और सातवें वेतन आयोग द्वारा सरकारी कर्मचारियों की बेहताशा वेतन वृद्धि ने भी सरकार को यह सोचने पर मजबूर किया कि वेतन, पेंशन पर खर्चे इसी रफ्तार से बढ़ते रहे तो सरकार कंगाल हो जाएगी। इसीलिए सरकारी नौकरियां कम करने की कवायद जारी है।

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा की भर्तियों में ही पिछले पांच वर्ष में लगभग चालीस फीसद कटौती कर दी गई है। एक तरफ दस लाख से ज्यादा परीक्षा देने वाले उम्मीदवार और उनकी नौकरियों की संख्या मात्र सात-आठ सौ। यही हाल रेलवे, बैंक आदि की नौकरियों का है। आर्थिक मजबूरियों के चलते इन क्षेत्रों में भी नौकरियां लगभग गायब हो चुकी हैं। पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने एक घोषणा के तहत कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड और बैंकिंग भर्ती बोर्ड को मिला कर एक केंद्रीय भर्ती बोर्ड

की घोषणा तो कर दी थी, लेकिन सवाल है कि जब नौकरियां ही नहीं होंगी तो भर्तियां होंगी कहां से। इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि आखिर कब तक उत्तर भारत नौकरियों, रोजगार, बेहतर जीवन शासन-प्रशासन के लिए दक्षिण की तरफ देखता रहेगा? पंजाब के खेतों में लाखों बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के मजदूर लगे हैं तो दक्षिण में राजमिस्त्री, पेंटर आदि कार्यों में भी इन्हीं राज्यों के लोगों की भरमार हैं। बंगलुरु शहर में बड़ी-बड़ी आवासीय कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था में असम की लड़कियां हैं, तो घरों में काम करने वाली ज्यादातर बंगाल और ओड़िशा की। दक्षिण भारत की कुछ तो तारीफ की ही जानी चाहिए कि उन्होंने अपनी जनसंख्या वृद्धि पर कमाल का नियंत्रण हासिल किया और वह भी बिना किसी दबाव के। सरकारी नौकरियों की मारामारी में वे उस तरह शामिल नहीं हैं जैसे उत्तर भारत के लोग। बल्कि निजी कारोबार और उद्योगों से वे भारत की जीडीपी में बेहतर योगदान दे रहे हैं। तमिलनाडु देश की जीडीपी में सबसे ज्यादा योगदान करता है।

बीते वर्ष विदेशी निवेश में भी तमिलनाडु महाराष्ट्र के बाद दूसरे नंबर पर रहा था। बंगलुरु के आइटी उद्योग ने दुनिया में झंडा गाड़ा हुआ है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही है कि आखिर उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में छोटे निजी कारोबारों (स्टार्टअप) की संस्कृति क्यों नहीं विकसित हो पाई? सबसे तेजी से बढ़ती जनसंख्या के बूते उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य संसद से लेकर वित्त आयोग तक से मांग बढ़ाते रहते हैं, पर अपने यहां किसी धंधे को नहीं पनपने देते। हाल में एक खबर थी कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश में अस्पतालों में काम करने वाली नर्सों और दूसरे कर्मचारियों की बेहद कमी है। महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक की हजारों लड़कियों को अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवाओं में रोजगार मिल गया है। कम से कम पिछले तीन-चार दशकों से पूरा देश यह जानता है कि दुनिया भर में भारतीय नर्सों की मांग है। लेकिन क्या उत्तर भारत में नर्सिंग कॉलेज उसी अनुपात में सामने आए, जैसे केरल, कर्नाटक और अन्य राज्यों में हैं। पूरे देश में लगभग अस्सी फीसद नर्सें केरल से आती हैं। यह सामाजिक बराबरी के पैमाने का भी इशारा है, जहां लड़कियों को अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाया जाता है और नर्सिंग जैसे काम के प्रति निष्ठा भी जिसमें सेवा का भाव सबसे ऊपर है। कुछ वर्ष पहले कोलकाता के एक अस्पताल में आग लग गई थी और तब केरल की कई नर्सों के त्याग की कहानियां हमने सुनी थी कि कैसे उन्होंने अपनी जान पर खेल कर मरीजों को बचाया। उत्तर प्रदेश का शायद ही कोई अस्पताल होगा जहां अपने वतन केरल से हजार मील दूर अपनी सादगी निष्ठा से काम नहीं करती हों। इन्हीं की वजह से हिंदी दक्षिण तक भी पहुंची है। कलक्टर और पुलिस अफसर बनने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन पूरी व्यवस्था चलाने के लिए तो हर काम की महत्ता है। आप अपने हाथ से खेती नहीं करेंगे, उद्योग आपके लिए रंगदारी और अपहरण का नाम है, तो करोना से तो बच भी जाएंगे पर बेरोजगारी से नहीं बच पाएंगे। आत्मनिर्भरता का नारा देना तो आसान है, लेकिन क्या उसका कोई खाका सरकार के पास है? इक्कीसवीं सदी में दुनिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बूते आगे बढ़ रही है। हम सस्ती मजदूरी के बूते भले ही दुनिया में टीका बनाने में अब्बल हों, उसके मूल शोध में हम कहीं नहीं ठहरते। और यह मूल शोध तब तक संभव नहीं हो सकता जब तक विज्ञान की सही समझ नहीं रखते। दुनिया से उधार ली हुई तकनीक से सिर्फ काम चला सकते हैं। चीन आज जहां खड़ा है, वह विज्ञान और तकनीक में शोध के बूते ही संभव हो पाया है और इसीलिए अमेरिका भी उसे बड़ी चुनौती के रूप में देख रहा है। इसलिए बेहतर हो, भारत के राजनीतिज्ञ, बुद्धिजीवी और पूरी शासन व्यवस्था रोजगार के इन पहलुओं पर ध्यान दें।

शब्दों के संदर्भ

सूर्य प्रकाश चतुवेर्दी

शब्द का कोई एक अर्थ नहीं होता, बल्कि अनेक अर्थ होते हैं। ठीक उल्टा अर्थ भी होता है। खासकर उर्दू शायरी में। मसलन एक शेर है- दिल अभी पूरी तरह टूटा नहीं, दोस्तों की मेहरबानी चाहिए। यानी दोस्त अगर दिल तोड़ने की कोशिश करने की मेहरबानी करते तो दिल पूरी तरह टूट सकता है। इसी तरह खुमार बाराबंकवी की गजल है, जिसमें मजा शब्द हर शेर में है और उसका मतलब तकलीफ, कीमत, दर्द, परिणाम या नतीजा है। इक पल में इक सदी का मजा हमसे पूछिए। इस गजल में हर शेर में जब मजा शब्द आता है तो उसके विपरीत अर्थ से ही मतलब समझ में आता है। मसलन रोशनी का मजा या मुखबिरी का मजा अथवा किश्तों में खुदकुशी का मजा। इसी तरह दोस्ती और दुश्मनी के अर्थ भी एक दूसरे के पर्याय बन जाते हैं। मसलन हम सदा दुश्मनी से दूर रहे, दोस्त कब दोस्ती से बाज आएं। जाहिर है यहां दोस्ती से मतलब दुश्मनी से है। दरअसल, शब्द का अर्थ संदर्भ, परिस्थिति, आशय और अंदाज पर निर्भर करता है। सीधी सपाटबयानी का लोग आम जीवन में उपयोग करते हैं। सामाजिक सरोकार और विद्वानों की सभा में शब्द चुन-चुन कर और सोच-विचार के बाद ही शब्दों का उपयोग किया जाता है। महामहोपाध्याय का प्रयोग अद्वितीय व दुर्लभ विद्वान के लिए किया जाता है। पर व्यंग्य में इस शब्द का प्रयोग निरक्षर और मूर्ख व्यक्ति के लिए होता है। लोग मजाक में कहते पाए जाते हैं कि देखो, वह सामने महामहोपाध्याय यानी मूर्खाधिराज चले आ रहे हैं। इसलिए समझने के लिए संदर्भ का भाव होना जरूरी है। स्मार्ट शब्द का भी दो तरह से इस्तेमाल होता है। अच्छे अर्थ में स्मार्ट का मतलब तेज, तीव्रबुद्धि वाला और समझदार या होशियार व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है। मगर जैसे-तैसे किसी भी कीमत पर और कुछ भी करके अपना काम निकालने वाले को भी स्मार्ट कहा जाता है, पर वह मतलबी और स्वकेंद्रित व्यक्ति के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह भी होता है कि आमतौर पर हास्य कवि अजीबो-गरीब उपनाम रखते हैं। जैसे ढपोरशंख, दीवाना, पागल, हंसोड़, हुल्लड़, भिखारी, बिच्छू, छछूंदर, सांप आदि। इसका मतलब नहीं कि जैसा उनका उपनाम बताया है, वे वैसे ही हैं। शेक्सपियर के क्लाउन यानी विदूषक, मूर्ख-हंसोड़ चरित्र के बारे में कहा जाता था कि वह नाम का ही मूर्ख था, वास्तव में वह सर्वाधिक बुद्धिमान व्यक्ति था। जिस तरह एक शब्द में एक से अधिक अर्थ निहित होते हैं, उसी तरह एक व्यक्ति में एक से अधिक व्यक्ति निहित होते हैं। निदा फाजली ने कहा भी है- हर आदमी में होते हैं दस बीस आदमी, जिसको भी देखना हो, बार-बार देखना। यानी जिस तरह एक शब्द का अर्थ उसके सही संदर्भ में ही जाना जा सकता है, उसी तरह एक व्यक्ति में भी ठीक से और सही तौर पर जानने-पहचानने के लिए उसे कई संदर्भों और परिस्थितियों में जानना-समझना होता है।

लव जिहाद के दूरगामी प्राणघातक परिणाम? इस विषय पर विशेष चर्चा!

लव जिहाद' का अस्तित्व नहीं, तो 'लव जिहाद' विरोधी कानून का विरोध क्यों ?

– अधिवक्ता वीरेंद्र इचलकरंजीकर, राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिन्दू विधिज्ञ परिषद

विविध प्रकार के 'जिहाद' समान ही 'लव जिहाद' भी जिहादियों द्वारा हिन्दू समाज के विरुद्ध किया जा रहा 'युद्ध' ही है । सामान्य घर की हिन्दू युवतियों से लेकर क्रीडा क्षेत्र, सिनेजगत इत्यादि विविध क्षेत्र की अनेक हिन्दू युवतियां और महिलाएं अब तक 'लव जिहाद' के षडयंत्र में फंस चुकी हैं, जहां उनका भयानक शोषण किया जा रहा है । इसके अनेक उदाहरण विविध माध्यमों से सामने आए हैं । 'लव जिहाद' के कारण भारत की ही नहीं; अपितु भारत के बाहर की हिन्दू एवं सिख युवतियों का भी धर्मांतरण हुआ है, जिससे हिन्दू परिवार व्यवस्था पर गंभीर परिणाम हुआ है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकार ने 'लव जिहाद' विरोधी कानून बनाया है । साथ ही गुजरात सरकार भी यह कानून लागू करने की तैयारी कर रही है। 'लव जिहाद' का अस्तित्व ही नहीं', ऐसा जो लोग कहते हैं, वे 'लव जिहाद' विरोधी कानून को विरोध क्यों कर रहे हैं ?, ऐसे सीधे प्रश्न के साथ ही केंद्र सरकार भी 'लव जिहाद' के विरोध में कानून पारित कर उसे भलीभांति लागू करें, ऐसी मांग हिन्दू समाज की ओर से हम कर रहे हैं, ऐसा प्रतिपादन 'हिन्दू विधिज्ञ परिषद' के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता वीरेंद्र इचलकरंजीकर ने किया । 'लव जिहाद' के दूरगामी प्राणघातक परिणाम ?' इस विशेष चर्चा में वे बोल रहे थे । विदेश की वरिष्ठ पत्रकार मीना दास नारायण के 'कैनडिड मीना' इस प्रसिद्ध 'यू-ट्यूब वाहिनी' पर यह चर्चा आयोजित की गई । इस समय मीना दास नारायण द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर अधिवक्ता इचलकरंजीकर ने दिए। इस कार्यक्रम में 'लव जिहाद' के माध्यम से हिन्दू युवतियों और महिलाओ का धर्मांतरण, 'लव जिहाद' के षड्यंत्र से युवतियों को बचाने में अभिभावकों का दायित्व और धर्मशिक्षा की आवश्यकता, चलचित्रों के माध्यम से 'लव जिहाद' को दिया जा रहा प्रोत्साहन, धर्मांतरण विरोधी कानून की आवश्यकता इत्यादि दर्शकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया गया । अधिवक्ता वीरेंद्र इचलकरंजीकर ने आगे कहा कि, जब 'लव जिहाद' के संकट के संदर्भ में हिन्दू बंधु बताते हैं, तब 'विवाह करनेवाली हिन्दू युवती और मुसलमान युवक को किससे विवाह करना है, यह उनका संवैधानिक अधिकार है' ऐसा तर्क मुसलमान और धर्मनिरपेक्ष लोग देते हैं; लेकिन जब 'समान नागरिक कानून', 'गोहत्या रोकना', जैसे अनेक विषय आते हैं, तब मुसलमान और धर्मनिरपेक्षतावादी संविधान की बात न कर हिन्दू अल्पसंख्यकों की भावनाओ का विचार करें, ऐसी विनति करते हैं। संक्षेप में हिन्दुओ की भावनाओ का कहीं भी विचार नहीं किया जाता और सहजता से विषय बदल दिया जाता है। अधिवक्ता इचलकरंजीकर ने अंत में कहा, 'शरिया (इस्लामी) कानून के अनुसार मुसलमान परिवार में विवाह के उपरांत धर्मांतरित हिन्दू महिलाओ का उनकी संपत्ति में और अन्यत्र भी कोई अधिकार नहीं; इसके विपरीत हिन्दू कानून के अनुसार विवाह उपरांत हिन्दू महिलाओ के अनेक अधिकार हैं । हिन्दू युवतियां ऐसे विविध संकट ध्यान में रखें और धर्मशिक्षा लेकर धर्माचरण करें ।

सदमात ने रोने न दिया

अश्विनी भटनागर

बात 1857 में अंग्रेजों और आजादीपसंद हिंदुस्तानियों के बीच हुई जंग से कुछ पहले की है। आखिरी मुगल बहादुरशाह जफर दिल्ली के लालकिले की हद में सिमट गए थे। अंग्रेज उन पर तरह-तरह के दबाव डाल रहे थे। उन्होंने उनकी बादशाहत पर भी सवालिया निशान लगा दिए थे। बादशाह बूढ़े हो गए थे और उनमें इतनी कुव्वत नहीं बची थी कि वे अंग्रेजों से आंख मिला कर बात कर सकें। हालात और खुद की बुजदिली ने उनको मजबूर कर दिया था कि वे अपना पुश्तैनी हक बरकरार रखने के लिए कंपनी सरकार से सिर्फ गुजारिश ही कर सकते थे। पर गोरे उनकी एक बात भी सुनने के लिए तैयार नहीं थे। तड़प कर उन्होंने एक गजल कही, जिसका पहला शेर था :

बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी
जैसी अब है तेरी महफिल कभी ऐसी तो न थी।

जफर की शिकायत वास्तव में बताती है कि जब महफिल उजड़नी शुरू होती है, तो सबसे पहले बात करनी मुश्किल हो जाती है। लोग गाते-गाते चिल्लाने लगते हैं, औरों की जुबान कतरने में अपनी वाहवाही समझने लगते हैं। दूसरी तरफ, अच्छी महफिलों में हर तरह की बात करने की पूरी आजादी होती है और साथ में कही गई बात को सुनने और समझने वाले इल्मी लोग होते हैं। बात से बात निकलती है और एक पूरा मुशायरा जम जाता है। सभी शोरा एक-दूसरे के हुनर की दाद देते हुए अपनी तरफ से कुछ बेहतर पेश करते हैं। मुश्किल समय में बहादुरशाह की कसमसाहट उनके संदर्भ में उतनी ही जायज थी, जितनी आज है।

वे आगे फरमाते हैं–

ले गया लूटके कौन आज तेरा सब्र-ओ-करार
बेकरारी तुझे ऐ दिल कभी ऐसी तो न थी।
उनकी आंखों ने खुदा जाने किया क्या जादू
के तबीयत मेरी माइल कभी ऐसी तो न थी।

ये दो शेर जफर की मायूसी बयां करते हैं, जिसमें जब वे कहते हैं कि ले गया लूट के कौन तो इस सवाल में ही जवाब निहित है। जिस दौर में यह शेर कहा गया था, उसमें यह रूमानी से ज्यादा सियासी बयान था। सब जानते थे कि इस मुगल की तबियत माइल क्यों और किन वजहों से हुई थी और उसकी बेकरारी क्या थी। जबरन हक छिन जाने का दर्द शेर में लूट शब्द से जाहिर हो रहा है। साथ ही में तेरी महफिल का जिक्र इसीलिए किया गया था, क्योंकि अपनी बात कहना या अपने हालात पर मासूम तब्सरा करना एक गुनाह हो गया था।

चश्म-ए-कातिल मेरी दुश्मन थी हमेशा लेकिन
जैसी अब हो गई कातिल कभी ऐसी तो न थी।
क्या सबब तू जो बिगड़ता है जफर से हर बार
कूं तेरी हूर-ए-शिमागिल कभी

ऐसी तो न थी।

क्रूर, निरंकुश कंपनी बहादुर के दौर में गुजर-बसर करने को मजबूर बाहदुरशाह जफर की यह गजल एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। यह एक आम आदमी है, जो शक्ति और सत्ता के अंधे और बहरेपन के कारण बुरी तरह से प्रताड़ित महसूस कर है। एक अकेले जफर की तरह एक आम आदमी भी सत्ता से पंजा लड़ाने की मजाल नहीं रखता है। वह सब सहता रहता है, जब तक कोई मंगल पांडेय उठ खड़ा नहीं होता है।

पर आजादी की पहली लड़ाई की तरह हर दौर में उबाल आने में समय लगता है। मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर ने सूनी आंखों के सामने से गुजरते हुए मंजर और उस पर रो न पाने की मजबूरी को कुछ इस तरह से बयां किया है-

इश्क में गैरत-ए-जज्बात ने रोने न दिया
वर्ना क्या बात थी किस बात ने रोने न दिया।
आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब
उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।
रोने वालों से कहो उनका भी रोना रो लें
जिनको मजबूरी-ए-हालात ने रोने न दिया।
तुझसे मिल कर हमें रोना था बहुत रोना था
तंगी-ए-वक्त-ए-मुलाकात ने रोने न दिया।

फाकिर आज के शायर हैं, जो 2008 तक हमारे बीच थे। उनकी गजल लिखी तो रूमानी अंदाज में गई है, पर आज की तारीख में यह सियासी शिकवा है। कहर पर कहर टूट रहे हैं, पर तंगी-ए-वक्त-ए-मुलाकात और गैरत-ए-जज्बात की वजह से हम खुल कर रो भी नहीं पा रहे हैं। गैरत यहां सबसे जरूरी लफ्ज है। इश्क हो या कुछ और, सामने वाला जब जज्बात को एक पल के लिए भी बेगैरत करता है, तो उसके सामने अपना दुख रखना बेमतलब हो जाता है। और जब आपका कलेजा दर्द से भर कर फूट पड़ता है तो आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब और रोने पर मनाही लगा देते हैं।

दूसरे शब्दों में, उन्होंने कभी नसीब का हवाला देकर, तो कभी गैरत-ए-जज्बात की वजह से मन का गुब्बार मन में ही दफ्न करने के लिए हमें मजबूर कर दिया है।

माशूक का आशिक से उलाहना सिर्फ दो लोगों के बीच का नहीं है, बल्कि उससे बहुत आगे तक जाता है। शायद इसलिए जब फाकिर कहते हैं कि ह्यरोने वालों से कहो उनका भी रोना रो लेंह्ण, तो उनका सीधा निशाना सत्ताधीशों की तरफ है, जिनका रोना दूसरे के लिए सहानुभूति की वजह से नहीं फूट पड़ता है, बल्कि अपने लिए सहानुभूति बटोरने के लिए होता है। समय-समय पर रो देना उनकी व्यावसायिक/ पेशेवर भूमिका का हिस्सा है। बहादुरशाह जफर हों, सुदर्शन फाकिर या हम और आप, रोना शुरू होता है महफिल में बात करने की मुश्किल से और फिर मुश्किल बढ़ती ही जाती है। जफर कहते हैं-

अबकी जो राह-ए-मोहब्बत में उठाई तकलीफ
सख्त होती हमें मंजिल कभी ऐसी तो न थी।

फाकिर के हिसाब से सख्त होती हमें मंजिल अब एक अलग ठौर पर है, क्योंकि सदमे पर सदमा लग रहा है :

एक दो रोज का सदमा हो तो रो लें फाकिर
हमको हर रोज के सदमात ने रोने न दिया।

वैसे, हालात के संदर्भ में यह भी साथ-साथ पूछना जरूरी हो गया है-

जो दास्तान हमने अपनी सुनाई तो आप क्यों रोए?

पत्रकारों के न्याय की जमींनी लड़ाई लड़ रहा है ऐप्रवा

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शास्त्री के कई सुझावों पर सरकारों ने दिया है भरोसा

प्रखर भदोही। ऑल इंडिया प्रेस रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन पत्रकारों के हित में बेहतर लड़ाई लड़ रहा है। राज्य में पत्रकार संगठनों की भरमार है लेकिन पत्रकार हितों पर कम ही सक्रियता दिखती है। लेकिन ऐप्रवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मान्यता प्राप्त पत्रकार श्रीकांत शास्त्री जमीनी लड़ाई लड़ रहे हैं। केंद्र की मोदी और योगी सरकार ने उनके कई सुझवों और शिकायतों पर गंभीरता से विचार कर रहीं है। पत्रकारों की समस्याओं को लेकर वह बराबर सरकारों को पत्र लिखते रहते हैं । प्रयागराज में शास्त्री ने ऐप्रवा का कार्यालय स्थापित किया है। शास्त्री ऐप्रवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार भी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रशासन के प्रेस स्थाई समिति के सदस्य हैं व संपादन के कार्य में भी लगे हैं और इन्हे पिछले दिनों कोरोना काल में नेशनल मीडिया क्लब, प्रखर प्रवाह फाउंडेशन, कवरेज इंडिया न्यूज , बुंदेली प्रेस क्लब, कशिश मीडिया , मीडिया रिपोर्टर एसोसिएशन, राष्ट्रीय एकता संगठन , हिंदी दैनिक प्रवासी संदेश, हिंदी दैनिक जन तपिस , लिब्रा इंटरनेशनल मीडिया ट्रस्ट , संभव फाऊंडेशन आदि संस्थानों द्वारा कोरोना योद्धा सम्मान से सम्मानित भी किया जा चुका है। वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार प्रभुनाथ शुक्ला ने कहा कि जिस प्रकार से शास्त्री सर्वहितकारी कार्यों एवं पत्रकारों के अधिकारों की लड़ाई की लड़ रहे हैं वह मिसाल है। वह पत्रकार सांगठनों और समाज के लिए गर्व की बात है। यहां तक की उनके सरल स्वभाव एवं पत्रकारों के हितार्थ लड़ी जा रही आक्रामक लड़ाई को दृष्टिगत रखते हुए दर्जनों संपादकों एवं कई सांसदों, विधायको, एमएलसीओ, मेयर आदि जनप्रतिनिधियों व समाजसेवी, संगठनों द्वारा पिछले दिनों इनके लिए सीएम, पीएम, पीसीआई को पत्र लिखकर उचित स्थानों पर नियुक्त करने की मांग भी कर चुके हैं, जो पत्रकारों को अच्छे कार्य करने की बड़ी सीख है। पत्रकार बीपी मिश्रा, रंजीत निषाद, संजय सिंह, अभय पांडेय, दिलीप चंद पांडेय, मुकेश कुमार गुप्ता, बीडी पांडेय, अमित पाठक, दिनेश मिश्रा, राम अनुज धर द्विवेदी, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ प्रमोद शुक्ला संगठन के कार्यो को मिसाल के रुप में देखते हैं। सभी ने आचार्य की कार्य प्रणाली को बेहतर बताया है। वरिष्ठ समाजसेवी, व्यवसायी, संरक्षक परमानंद त्रिपाठी (सोटा स्वामी), अमर चंद्र पटेल, मिथिलेश वर्मा, विनय प्रकाश तिवारी, संतलाल, असद कुरैशी, बीके यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की कार्यशैली पत्रकारहितों को लेकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। एप्रवा जैसी सक्रियता अगर दूसरे संगठनों में भी दिखे तो पत्रकारहितों की लड़ाई आसान हो जाएगी।

यूपी के मुख्यमंत्री के बनारस आगमन टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन मिलने की मांग करता है - शशिप्रताप सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस देशी और विदेशी पर्यटकों विश्व प्रसिद्ध शहर है।यहाँ दुनिया के तकरीबन सभी देश के लोग माँ गंगा की आरती, दर्शन, बाबा भोले नाथ के दर्शन , बुद्धम शरणम गच्छामि के लिये सारनाथ वाराणसी में आते है, लेकिन पर्यटकों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो । वह काम हम ट्रांस्पोट्स टैक्सी मालिक, नाव मालिक, होटल डस्ट्री के लोग करते है, लेकिन इनके आवागमन के लिये हम बस टैक्सी मालिक का अहम रोल होता है। फरवरी 2020 से हम बस मालिक परेसान है इनकी सुनने वाला कोई नही है। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के प्रवक्ता शशिप्रताप सिंह की मांग है मुख्मंत्री जी हम लोगो को मिलने का मौका दे और समस्या का निस्तारण करे। हम लोगो की निम्नलिखित मांग है- 1, ईएमआई पर ली हुई गाड़ियों पर से एक साल तक का ब्याज मुक्त किया जाय। 02, टैक्सी बस ड्राइवर को भी आर्थिक सहायता दिया जाय। 03,आरटीओ टेक्स पेनाल्टी को 1 साल तक छूट दी जाये । 04, जी एस टी की पेनाल्टी में छूट दी जाय । 05, पर्यटक प्रोत्साहन के लिए राहत पैकेज दिया जाय। 06, मोटर मालिको को जीरो ब्याज पर 10 लाख का ऋण दिया जाय ताकि गाड़ियों को दुरुस्त कर सड़क पर लाया जा सके तथा परिवार का भोजन की व्यवस्था हो सके। बिटीटीए प्रवक्ता का कहना है कि हमलोगों पर सरकार ध्यान नही देती तो हम लोग बाध्य होंगे अपनी बसों को संभागीय परिवहन कार्यालय पर खड़ी कर काम काज बन्द कराने पर। प्रमुख रूप से अध्यक्ष राकेश सिंह, सरंक्षक प्रभाकर पांडेय, महामंत्री प्रकाश जायसवाल, बिनोद सिंह, जमशेद भाई, राकेश श्रीवास्तव, मायाशंकर सिंह,अनुराग सिंह, डब्लू सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दू जागरण मंच काशी महानगर की वर्चुअल माध्यम से गूगल मिट पर हुई बैठक आयोजित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हिन्दू जागरण मंच काशी महानगर की वर्चुअल माध्यम से गूगल मिट पर आयोजित बैठक में जिसमे मुख्य अतिथि श्रीमान दिनेश नरायण सिंह प्रान्त अध्यक्ष हिन्दू जागरण मंच थे जिसकी अध्यक्षता अवनीश राय एडवोकेट काशी महानगर अध्यक्ष हिन्दू जागरण मंच थे पारित प्रस्ताव को मांगपत्र के माध्यम महामहिम राष्ट्रपति महोदय को जरिये ईमेल व जरिये जिलाधिकारी वाराणसी महोदय प्रेषित किया गया। बैठक में सर्व सम्मति से यह प्रस्ताव पारित करते हुए हिन्दू जागरण मंच काशी महानगर ने यह मांग किया कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संरक्षण में हिन्दुओ की बर्बर हत्याएं हो रही है और स्थानीय सरकार मौन है ऐसे में पीड़ित हिन्दू परिवारों की सुरक्षा की कोई गारंटी नही है व उन्हें न्याय मिलने की भी कोई उम्मीद नही है तथा जिस प्रकार महामहिम राज्यपाल महोदय के काफिले पर हमले हुए उससे यह स्पष्ट है पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है ऐसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हिन्दू जागरण मंच में प्रस्ताव पारित कर ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय से यह मांग किया कि संविधान में प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का आदेश पारित किया जाए। बैठक में अवनीश राय अधिवक्ता काशी महानगर अध्यक्ष हिन्दू जागरण मंच ,उपाध्यक्ष द्वय हनुमंत सिंह,राजन मांझी,वीरांगना प्रमुख डॉक्टर राजलक्ष्मी जी, महामंत्री अनुराग पांडेय, मंत्री विकास तिवारी विधि आयाम प्रमुख बृजेश जी संपर्क प्रमुख कुमुद जी,प्रचार प्रमुख सौरभ जी इत्यादि समेत हिन्दू जागरण मंच काशी महानगर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरेराह युवती के अपहरण का प्रयास छेड़छाड़ के विरोध पर चाकू से हमला

संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के महुली क्षेत्र के ग्राम भिटनी चौराहे के निकट मां के साथ जा रही युवती को रविवार को दो युवकों ने सरेराह अगवा करने की कोशिश की। उसे जबरन बाइक पर बैठाकर अश्लील हरकत की। विरोध पर उसकी पीठ पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों पर अपहरण व हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जिले के महुली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। इसमें कहा है कि वह अपनी बेटी के साथ रविवार सुबह रिश्तेदारी में जा रही थी। इसी दौरान ग्राम भिटनी के निकट धनघटा क्षेत्र के प्रजापतिपुर के रहने वाले बाइक सवार विनोद यादव और कमलेश पहुंचे।

दूषित जल जमाव से नाराज भाजपा सभासद संतोष शर्मा ने नागरिकों के साथ किया प्रदर्शन

प्रखर रामनगर वाराणसी। पिछले दिनों हुई बरसात के कारण जल जमाव हो जाने से पुराना रामनगर में इकट्ठा दूषित जल जमाव के सेनेटाइजेशन को लेकर भाजपा सभासद संतोष शर्मा एवं पूर्व सभासद कुसुम लता शर्मा ने स्थानीय नागरिकों के साथ प्रदर्शन किया। भाजपा सभासद संतोष शर्मा का कहना है,कि पिछले दिनों हुई भयंकर बरसात के करण जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हुई है । दूषित जल जमाव के कारण यहां के आसपास के रहने वाले लोगों को बड़े दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है लोग किसी तरह रहने पर मजबूर है। इससे अन्य गंभीर बीमारी भी होने की संभावना है दूषित जल के कारण आसपास के लोग ठीक से भोजन तक नहीं कर पा रहे है।यहां का पालिका प्रशासन बढ़ते हुए कोविड-19 कोरोना वायरस से भी सीख नहीं ले रहा है। जो कि खुद पालिका के कर्मचारी अधिकांश कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं ऐसी परिस्थिति में पूरे नगर को बराबर सेनेटाईजेशन करवाने की आवश्यकता है लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। भाजपा सभासद संतोष शर्मा ने पालिका प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इकट्ठा हुए दूषित जलजमाव को सेनेटाइज नहीं किया गया तो उसी पानी में बैठकर अनशन करने के लिए बाध्य रहूंगा। मुख्य रूप से सभासद संतोष शर्मा पूर्व सभासद कुसुम लता शर्मा इंदु देवी रेनू साहनी गोवर्धन साहनी तुलसी साहनी आदि लोग थे।

प्रधानमंत्री के संसदीय जनपद वाराणसी के सिंधोरा बाजार की स्थिति राम भरोसे

प्रखर विशेष/ वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय जनपद वाराणसी के अंतर्गत आने वाले सिंधोरा बाजार की स्थिति स्थानीय प्रशासनिक लापरवाही के चलते बहुत ही दयनीय बनी हुई है जनमानस के द्वारा भी बढ़-चढ़ कर लापरवाही की जा रही है खासकर सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते हुए बिना मास्क बाजार में टहलने वालों की कोई कमी नहीं है सुबह बाजार खुलते ही भारी भीड़ इकट्ठा हो जाती है जिसको स्थानीय प्रशासन हमेशा नजरअंदाज करता रहता है पूरे बाजार के किसी भी तिराहे या चौराहे पर स्थानीय नुमाइंदों की तैनाती नहीं दिखती तीन सवारी लिए फरार्टा भरती मोटरसाइकिलें हो या बिना मास्क के बेपरवाह जनमानस हद तो तब हो जाती है जब चौराहे से मात्र 200 मीटर दूरी पर स्थित सिंधोरा थाने के नुमाइंदों की नजर इस दृश्य पर नहीं पड़ती कुछ मास्कधारियों को छोड़ कर लगभग 80 परसेंट दुकानदार और लगभग उतने पर्सेंट ही जनमानस द्वारा भयंकर महामारी का मजाक उड़ाया जाता है। स्थानीय प्रशासन के ढुलमुल रवैया के चलते स्थानीय व्यापारी व जनमानस पूरी तरह से लापरवाह हो चुके हैं जानकारी के लिए बता दें इस बाजार में लगभग 100 ग्राम सभाओं के ग्रामीण खरीदारी करने आते हैं भयंकर महामारी के इस दौर में भी अत्यधिक भीड़ होती है कुछ स्थानीय लोग इस महामारी के चपेट में आ चुके हैं उसके बावजूद भी स्थानीय प्रशासन व व्यापारियों की लापरवाही का उसी तरह से बने रहना महामारी अधिनियम का खिल्लीया उड़ाते प्रतीत होता है।

भारतीय जनता पार्टी लोगों का मदद ना कर अपने आलीशान कार्यालय बनाने में जुटी है : आयुष यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं समाजवादी पार्टी के छात्र नेता आयुष यादव ने एक प्रेस वार्ता कर बताया की भारतीय जनता पार्टी लोगों का मदद ना कर अपने आलीशान कार्यालय बनाने में जुटी है जबकि 130 करोड़ जनता चुनकर प्रधानमंत्री बनाया गया वहीं आम जनमानस भाजपा के नेताओं को जनता के बारे में कोई भी ध्यान नहीं है जबकि लेव र मध्यमवर्ग परिवार इस वैश्विक महामारी में काफी त्रस्त हो चुकी है समाजवादी छात्र नेता ने बताया जिस तरह प्रधानमंत्री जी के द्वारा गरीब असहाय ठेला प्रति वालों को 10000 का लोन आवंटन किया गया। आज इस वैश्विक महामारी में रोजगार बंद होने के कारण बैंकों में किस्त जमा करने पर मजबूर हैं वहीं दूसरी तरफ बैंक के द्वारा लोन भरने को लेकर उत्पीड़न भी किया जा रहा है छात्र नेता ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए बताया एक तरफ स्कूल कालेज को बंद कर दिया गया वहीं दूसरी तरफ बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई करवाया जा रहा है।

खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र की जनता के चहेते बने सुबोध चंद्र यादव

प्रखर सतकबीरनगर। पूर्व सांसद जन नेता गरीबों के मसीहा रहे स्वर्गीय भालचंद्र यादव के छोटे पुत्र बसपा युवा नेता व खलीलाबाद विधानसभा प्रभारी सुबोध चंद यादव इन दिनों खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के जनता के सबके चहेते बन चुके है। आपको बता दें कि पूर्व सांसद स्वर्गीय भालचंद यादव भी अपने कार्यों के बदौलत अपनी एक उत्तर प्रदेश में अलग पहचान बनाई थी। उसी की देन है कि जनता उन्हें जन नेता के रूप में देख रहे थे पूर्व सांसद भालचंद्र यादव आज भले ही इस दुनिया में नहीं है लेकिन उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों को आज भी संत कबीर नगर की जनता याद कर रही है ठीक उन्ही के रास्ते पर उनके छोटे पुत्र बसपा नेता सुबोध चंद यादव चलकर क्षेत्र की जनता कि 24 घंटे मदद करते देखे जा रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत कई वर्षों से लगातार खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र में सुबोध चंद यादव जन संपर्क करते हुए सभी के सुख दुख में उनके घर पहुंच कर ढाढस पढ़ाते हुए देखे जा रहे है। इस संबंध में जब सुबोध चंद यादव से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता का सेवा करना ही मेरा प्रमुख उद्देश्य है। श्री यादव ने कहा कि पिता के बताए गए रास्तों पर चलकर क्षेत्र की जनता का लगातार सेवा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यदि खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मुझे मिला तो निश्चित रूप से खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र का चौमुखी विकास होगा।

सिंह मेडिकल में 6 बेड पोस्ट कोविड मरीजों के लिए निःशुल्क परामर्श की सुविधा : डॉ. अशोक सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। यदि किसी शहरवासी या ग्रामवासी के घर में पोस्ट कोविड मरीज हो और पैसे की किल्लत से परामर्श नहीं हो पा रहा हो तो वे मलदहिया स्थित सिंह मेडिकल में संपर्क कर सकता है। यह बाते आज रविवार को सिंह मेडिकल एडं रिसर्च सेंटर के प्रबंध निदेशक डॉ अशोक कुमार सिंह ने आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आज से 6 बेड पोस्ट कोविड मरीजों के लिए निशुल्क आरंभ किया जा रहा है, जिसमें ऐसे साधारण मरीजों को रखा जाएगा जिनको ऑक्सीजन या डायलिसिस की आवश्यकता ना हो।उन्होंने कहा कि इसमें पोस्ट कोविड दवा भी निशुल्क दिया जाएगा। इसके साथ ही दिन में 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक पोस्ट कोविड मरीजो को निशुल्क परामर्श दिया जाएगा। साथ ही 50 बेड के कोविड-19 विंग में सरकार द्वारा निर्धारित दर पर एल2 श्रेणी तक के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। सरकार व रेडक्रास द्वारा आवंटित रेडमीशिविर इंजेक्शन भी चिकित्सक की सलाह पर निर्धारित दर पर दिया जा रहा है। डॉ अशोक कुमार सिंह ने कहा कि अस्पताल में निर्धारित दर पर इलाज एवं रेडमीशिविर के दर से अधिक दर न लिया जाए इसके लिए एक मैसेज भी नियुक्त किया गया है, जिसमें कोई शिकायत कर निस्तारण कराया जा सकता है। ऐसे मरीजों के लिए जिनके माता-पिता या अभिभावक नहीं है और वह सक्षम है तो उनके लिए भी 3 कमरे आरक्षित 1 निश्चित दर पर किया गया है, जिसमें उन सभी के लिए अलग से एक नर्स दाई एवं अटेंडेंस की सुविधा दवा व भोजन के साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि नॉन कोविड-19 कमरों एवं वार्ड में इमरजेंसी के केस भर्ती किये जा रहे है। डॉ सिंह ने बताया कि बच्चों के लिए भी 18 बेड का विंग तैयार किया जा रहा है, जिसमें 10 बेड पर ऑक्सीजन की सप्लाई भी रहेगी। अस्पताल द्वारा पटेल चौक से मरी माई तिराहे तक मशीन द्वारा सैनिटाइजर की व्यवस्था की गई है।

कोरोना मुक्ति के लिए आइडियल वूमेन वेलफेयर सोसाइटी ने किया हवन पूजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। संस्था आइडियल वूमेन वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में मंडुआडीह थानांतर्गत ग्राम भुल्लनपुर के रुद्रेश्वर मंदिर परिसर में कोरोना मुक्ति के लिए शिव आराधना और हवन पूजन का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने पत्नी संस्था सचिव बीना सिंह के साथ हवन में बैठकर भगवान से कोरोना मुक्त भारत करने की प्रार्थना की जिसके की लोगो की जान-माल और देश की अर्थव्यवस्था की हानि ना हो। हवन पूजन में उपाध्यक्ष राखी रानी,कोषाध्यक्ष गार्गी सिंह, व्यवस्थापक सुरेश सिंह,संतोष जायसवाल जी एवं बीडीसी दिलीप तिवारी का सहयोग रहा। उपयुक्त अवसर पर ग्राम प्रधान रामा देवी, दुर्गेश गिरी, संजय पांडे, रीता देवी, मनभावती देवी, सुनीता देवी, अनीता देवी और ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं ।

राज्यमंत्री ने मृतक परिवार की बड़ी बेटी को एक लाख रुपया नगद 5 बिस्सा जमीन का कागज दिया

प्रखर जौनपुर। विधानसभा सदर के अंतर्गत ग्राम पकड़ी में पति पत्नी की मृत्यु के बाद अनाथ हुए बच्चों की जानकारी जब आवास व शहरी नियोजन राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव जी को हुई तो वे तत्काल बच्चों से मिलने पकड़ी गांव में उपजिलाधिकारी शाहगंज के साथ पहुंचे। ज्ञातव्य हो पकड़ी गांव में नोना (अनुसूचित) समाज की स्वर्गीया मीना देवी पत्नी स्वर्गीय रामवृक्ष चौहान, उनके पति स्वर्गीय रामवृक्ष चौहान पुत्र पन्नालाल दोनों का निधन बीमारी के कारण हो गया है इनके 6 बच्चे हैं बड़ी बेटी का नाम अंजली जिसकी उम्र 15 वर्ष, दूसरी काजल 7 वर्ष, पल्लवी 4 वर्ष, शिवानी 3 वर्ष, पुत्र खेसारी 2 वर्ष, और अंशिका छह माह की है। राज्य मंत्री ने इस शोक की घड़ी में मृतक के परिवार में संवेदना व्यक्त की और एक लाख (100000) रुपये की नगद सहायता राशि तथा 60 एयर (5 विस्वा) कृषि कार्य हेतु जमीन पट्टे का कागज बड़ी बेटी अंजलि को दिया राज्य मंत्री ने उप जिलाधिकारी शाहगंज को और भी जमीन परिवार को देने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ साथ श्रम विभाग व अन्य सभी विभागों में चल रही योजनाओं के लाभ से बच्चों की मदद करने का निर्देश जिलाधिकारी को दिया।

संक्षिप्त खबरें

बाइक पर बैठी मां की गोद से गिरा अबोध ट्रक की चपेट में आकर हुई दर्दनाक मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत अहरौरा जमुई मार्ग स्थित भगवती देवी गांव के समीप सोनपुर घाटी में बाइक से गिरकर चार माह के अबोध बच्चे की ट्रक से दबकर दर्दनाक मौत हो गई, प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को कछवा थाना क्षेत्र के सरावा ग्राम निवासी रमेश सरोज पुत्र दुक्खी सरोज अपने ससुराल स्थित ग्राम पटपटहा जनपद चंदौली से वैवाहिक कार्यक्रम से अपने घर वापस लौट रहा था बताया जा रहा है कि अभी वह अहरौरा थाना क्षेत्र के ग्राम भगवती देई सोनपुर घाटी पहुंचा था कि उसकी बाईक अनियंत्रित हो गई और अबोध बालक बाईक पर पीछे बैठी मां की गोद से फिसल कर सड़क पर गिर गया वही पीछे से आ रही ट्रक की चपेट में आकर बालक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवाओ ने खुद के सहयोग से किया स्नानागार का निर्माण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। यदि गांव के युवा आगे आ जाय तो कोई भी काम दुश्कर नही होता। कुछ ऐसा ही फूलपुर गांव के युवाओ ने कर दिखाया। बताते हैं कि किसी भी परिवार के लोगों की मृत्यु के बाद घाट स्नान करने वालों को कपड़े बदलने के लिए परेशानी को देख युवाओं की टोली सजग हुई। युवाओ ने बताया कि खासकर महिलाओं को इसके लिए खास परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिसपर युवाओ ने गांव वालों के सहयोग से एक स्नानागार का निर्माण कराया। जिसकी तारीफ गांव के बुजुर्गों ने की। इस बाबत युवा सुल्तान अहमद ने बताया कि घाट स्नान के बाद कपड़े बदलने की समस्या को देखते हुए यह स्नानागार का निर्माण कराया गया। जिसमें जितेंद्र जायसवाल, मनोज अग्रहरि, सुरेश पटेल, सत्यम अग्रहरि, रवि , सुजीत, नीरज व कुणाल ने मुख्य सहयोग दिया।

बिना मास्क के घूम रहे 119 व्यक्तियों से 16000 चालान वसूल किया गया

प्रखर सन्तकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत बिना मास्क के घूम रहे लोगों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत 119 व्यक्तियों से 16000 रु0 वसूल किया गया को पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर डा0 कौस्तुभ के निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तीनों सर्किलों में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्रा, क्षेत्राधिकारी धनघटा अम्बरीष भदौरिया व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल रामप्रकाश के नेतृत्व में सभी थानों द्वारा कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग अपनाने, हाथ धोने आदि के सम्बन्ध में जागरुक किया गया तथा अभियान चलाकर बिना मास्क के घूम रहे 119 व्यक्तियों से 16000 चालान वसूल किया गया ।

एबीवीपी कार्यकर्ता शुभम ने रक्त देकर गर्भवती महिला की बचाई जान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एबीवीपी कार्यकर्ता ने मानवता की एक ऐसी मिसाल पेश की जो दूसरों के लिए नजीर हो सकती है जब आधी रात को हम और आप अपने घरों में आराम से नींद की आगोश में थे तब शुभम ने अपना रक्त देकर एक गर्भवती महिला की जान बचाई। आपको बता दे कि रात्रि में लगभग 12.30 बजे शुभम के मित्र दीपक श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय महिला चिकित्सालय कबीरचौरा में अपने परिवार के सदस्य को पुत्र होने पर पहुंचे थे। वही उसने देखा कि उसी वार्ड में एक गर्भवती महिला का परिवार बिलख रहा था तो दीपक ने उनसे उनकी पीड़ा पूछा तो उन्होंने बताया कि हम लोग चंदौली के रहने वाले है मेरी बेटी का शरीर बहुत कमजोर है और वह गर्भवती भी है उसे तत्काल रक्त की आवश्यकता है मैने बहुत प्रयास किया लेकिन रात्रि होने के कारण मैं रक्त की व्यवस्था करने में असमर्थ हूं अब मैं किससे कहूं और किसके पास जाऊ यह सुनकर दीपक ने अपने मित्र शुभम को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी और महिला चिकित्सालय में बुलाया। तभी शुभम ने तुरंत श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय पहुंचकर उस परिवार की मदद करते हुए अपना रक्त दिया जिससे उनके बेटी की जान बची तब जाकर उस परिवार ने राहत की सांस ली और शुभम से कहा कि आपके इस सहयोग के लिए मेरा परिवार जीवन भर आभारी रहेगा।

कोरोना मुक्ति के लिए आइडियल वूमेन वेलफेयर सोसाइटी ने किया हवन पूजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। संस्था आइडियल वूमेन वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में मंडुआडीह थानांतर्गत ग्राम भुल्लनपुर के रुद्रेश्वर मंदिर परिसर में कोरोना मुक्ति के लिए शिव आराधना और हवन पूजन का आयोजन किया गया।संस्था अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने पत्नी संस्था सचिव बीना सिंह के साथ हवन में बैठकर भगवान से कोरोना मुक्त भारत करने की प्रार्थना की जिसके की लोगो की जान-माल और देश की अर्थव्यवस्था की हानि ना हो। हवन पूजन में उपाध्यक्ष राखी रानी,कोषाध्यक्ष गार्गी सिंह, व्यवस्थापक सुरेश सिंह,संतोष जायसवाल जी एवं बीडीसी दिलीप तिवारी का सहयोग रहा। उपयुक्त अवसर पर ग्राम प्रधान रामा देवी,दुर्गेश गिरी,संजय पांडे, रीता देवी,मनभावती देवी,सुनीता देवी,अनीता देवी और ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं ।

हवा हवाई घोषणा करने के बजाय स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दे सरकारः मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों से कोरोना प्रकोप को लेकर हवा हवाई घोषणाएं करने से बाज आना चाहिए और ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती देने की दिशा में काम करना चाहिए। मायावती ने सोमवार को ट्वीट किया कोरोना प्रकोप के सुविधाहीन ग्रामीण क्षेत्रों में भी काफी फैल जाने से भारत सुर्खिंयों में आ गया है, फिर भी सरकारें इसकी उचित तैयारी व उससे जनता को राहत दिलाने के सम्बंध में ताबड़तोड़ घोषणाएं ऐसे कर रही हैं जैसे चुनाव के समय में हवा-हवाई वादों का प्रचलन है, अति-दुःखद। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा जबकि सख्त जरूरत है कि यूपी व अन्य राज्यों में पहले से ही डाक्टर व अन्य सरकारी कर्मचारियों आदि के अभाव में खासकर जो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि बेकार व खस्ताहाल पड़े हैं उन्हें तत्काल सक्रिय किया जाए ताकि ग्रामीण भारत के अधिसंख्य गरीब व बेसहारा लोगों को इसका लाभ फौरन मिल सके।

आरोपी ही निकला फर्जी लूटकांड का मास्टर मांईड, गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज थाना क्षेत्र पुरंदरपुर के अंतर्गत रानीपुर सुरपार के लिंक मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत बड़हरा कन्हई के पास कब्रिस्तान के सामने आभूषण व्यवसायी से लूट की घटना का पुलिस ने किया अनावरण। आभूषण व्यवसायी ने ही खुद फर्जी लूट का मास्टमाइंड प्लान तैयार किया था। आभूषण व्यवसायी ने खुद कबूला अपना जुर्म ।पुरंदरपुर पुलिस ने जब ग्राम पंचायत पोखरभिंडा टोला छोटी इटाहीया आभूषण व्यवसायी सूर्यनारायन वर्मा उर्फ लारी के घर पहुँची तो अभियुक्त की पत्नी श्रीमती रीनू वर्मा उर्फ रेनू वर्मा मौजूद मिली उससे उसके पति के बारे पूछा गया। तो बताई कि गाँव मे कही गए है। अभियुक्त की पत्नी से उसके पति के साथ हुए। जेवरात व नगदी की लूट के बारे में चतुराई से पुछताछ किया तो पत्नी रेनू वर्मा ने कहा जिन जेवरातों व नगदी रुपयों की बढ़ा चढ़ा कर लूट के संबंध में मेरे पति सूर्यनारायन वर्मा ने जो पुरंदरपुर थाने में तहरीर दिए है। वह गलत

है। यह जेवरात व रुपये मेरे कब्जे में घर पर मौजूद है। क्राइम ब्रांच की टीम ने रविवार को जेवरात बरामद किया। जिसमे 39 जोड़ा पायल वजन 1791.56 ग्राम, 2 जोड़ा हाथ पलानी वजन 98.60 ग्राम, हाफ करधन 1पीस वजन 121 ग्राम, 2 अदद गुल्ली व बतासा वजन 14.51 ग्राम, बच्चों का कँगन (गुजहा) 2 जोड़ी वजन 17.54 ग्राम, अँगूठी नगदार 7 अदद 20.97 ग्राम, घुघुरू आदि 23 ग्राम, बिछुआ नगदार 156 अदद (78 जोड़ा) वजन 332.70 ग्राम, व पांच पांच सौ के 40 नोट एवं सौ सौ के 100 नोट कुल नगदी तीस हजार रुपए बरामद हुए। पुलिस अधीक्षक महराजगंज प्ररदीप कुमार गुप्ता बताया कि आभूषण व्यवसायी सूर्यनारायन वर्मा उर्फ लारी पुत्र स्वर्गीय राजकुमार वर्मा अपने घर पर नये व पुराने जेवरात रखे थे। पुरंदरपुर पुलिस ने जेवरात को कब्जे में लेकर आभूषण व्यवसायी अभियुक्त सूर्यनारायन वर्मा उर्फ लारी वर्मा पुत्र स्वः राजकुमार वर्मा पर लूट की झूठी सूचना देने व मनगढंत कहानी बनाने पर मु०अ०सं० 106/21 धारा 392, बढ़ोतरी 420, 193, 195, 182, भादवि व 7 सीएलए एक्ट अभियुक्त पर पंजिकृत किया गया। साथ अभियुक्त सूर्यनारायन वर्मा

हत्या का वांछित आरोपी गिरफ्तार

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के डोहरी गांव मे पिछले दिनों 65 वर्षीय वृद्ध के हत्या के प्रकरण मे फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, बिदित हो कि पिछले सप्ताह थाना क्षेत्र के डोहरी गांव मे रामनाथ विश्वकर्मा निवासी गयासपुर थाना अदलहाट जो बढ़ई मिस्तरी था का विवाद के दौरान गांव के ही निवासी युवक कैलाश यादव पुत्र गिरजा यादव ने लाठी डंडे से जबरदस्त पीटाई कर दिया था जिसका उपचार के दौरान मौत हो गया था, घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था, सोमवार को पुलिस ने अपने सूत्रो, से जानकारी मिली की वांछित आरोपी गांव से निकल कुदारन चौराहे की तरफ गया है पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, गौरतलब है कि प्रकरण में पुलिस ने मामले गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य का इतिश्री कर लिया था, स्थानीय ग्रामीणो की माने तो आरोपी युवक सरहंग किस्म का बताया जा रहा है और घटनाक्रम के अनुसार बृद्ध की हत्या राजनैतिक पार्टियों की बातचीत पर बहस करने के दौरान की गई थी लेकिन पुलिस महकमे ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर मामले को दबाने का प्रयास किया है।

उर्फ लारी को सुबह करीब 10 बजे गिरफ्तार कर अग्रिम विविध कार्यवाही करते हुए। न्यायालय भेजा गया। इस दौरान पुरंदरपुर प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह, प्रभारी स्वाट टीम शशांक शेखर राय, उपनिरीक्षक विरेन्द्र बहादुर राय, हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव स्वाट टीम, हेड कांस्टेबल संजय सिंह स्वाट टीम, हेड कांस्टेबल विद्या सागर यादव स्वाट टीम, कांस्टेबल विनीत कुमार स्वाट टीम, हेड कांस्टेबल रामनजर यादव, कांस्टेबल विजय बहादुर यादव, कांस्टेबल अभिषेक यादव, कांस्टेबल अमीर सिंह, महिला कांस्टेबल पल्लवी सिंह, उपस्थित रहे।

इंद्रावती देवी ने बीजेपी से ब्लॉक प्रमुख पद की ठोकी दावेदारी

प्रखर मऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव संपन्न हो चुका है। लेकिन अभी पंचायत चुनाव के तहत आने वाले ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव होना बाकी है। बता दें कि सरकार ने कोरोना महामारी को देखते हुए, चुनाव को कुछ दिनों के लिए ताल दिया है । लेकिन अभी तक आधिकारिक रूप से कोई डेट की घोषणा नहीं हुई है। बता दें कि प्रत्येक जिले में हर ब्लॉक से लोग अभी से ही ब्लॉक प्रमुख व जिला से जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए दावेदारी ठोकनी शुरू कर दी है। इसी क्रम में मऊ जनपद के विकासखंड रानीपुर से पंचायत चुनाव में क्षेत्र पंचायत का चुनाव जीतने के बाद इंद्रावती देवी ने रानीपुर से ब्लॉक प्रमुख की दावेदारी बीजेपी से टिकट मांग कर पेश की है। बता दे कि इंद्रावती देवी अपने क्षेत्र के गांवो के लोगों के सुख- दुख में हमेशा शामिल रहती हैं। जिससे गांव और क्षेत्र के लोग में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि इन्हें अगर टिकट मिलता है तो यह निश्चय ही ब्लॉक प्रमुख बनेंगी।

प्रबोधिनी फाउण्डेशन चलायेगी पांच चरणो मे चरणबद्ध महाअभियान मंझारी देवी को देगी सच्ची श्रद्धांजली

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रबोधिनी भवन शिवाजीनगर मे प्रबोधिनी फाउण्डेशन की प्रबन्ध समिति ने पत्रकार वार्ता के माध्यम से विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि कोरोना महामारी से समाज और देश कराह रहा है, जिसको जड़ से उखाने हेतु स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण करना होगा, जिसके लिये प्रबोधिनी फाउण्डेशन पांच चरणो मे विविध कार्यक्रम महाअभियान के रूप मे चलाने का निर्णय ली है। पहले चरण मे वाराणसी , चन्दौली, गाजीपुर , बलिया, जौनपुर एवं भदोही मे पांच लाख आयुर्वेदिक औषधियो , होमियोपैथिक दवाओ एवं ऐलोपैथिक विटामिन्स दवाओ से बना निरोग कवच थैला वितरित करेगी। जिसकी शुरूआत वाराणसी मे 22 मई से हो गयी है। प्रबोधिनी फाउण्डेशन का प्रयास है कि हर असहाय की सहायता एवं सेवा हो सके। इसके लिये चिन्हित 6 जिलो के नगरो सहित ब्लाक सह केन्द्र खोला जायेगा। दूसरे चरण मे आमजन को आनलाईन चिकित्सकीय परामर्श देने हेतु योग्य चिकत्सक 24 घण्टा परामर्श दे इसकी सुविधा प्रबोधिनी फाउण्डेश प्रदान शनिवार 29 मई से करेगी क्योकि आज महामारी के भय से लोग भारी तनाव मे जीवन यापन कर रहे है तथा डर से गलत निर्णय ले रहे है। तीसरे चरण मे 2000 यूनिट ब्लड डोनेशन प्रबोधिनी फाउण्डेशन चार चरणो मे हर तीन माह पर 500 यूनिट रक्तदान आईएमए एवं लायन्स ब्लड बैक मे करेगी, जिसकी शुरूवात 1 जून से आईएमए से होगी। चूकि महामारी मे भय से ग्रसित होकर लोग ब्लड डोनेशन नही कर रहे है जिससे अन्य बिमारियो विशेषकर आपरेशन वगैरह प्रभावित हो रहा है जिसकी पूर्ति हेतु 2000 यूनिट ब्लड डोनेशन हेतु समाजसेवीयो की सूची संस्था बना ली है। चौथे चरण मे बनारस , चन्दौली, गाजीपुर, बलिया , जौनपुर एवं भदोही मे 20 लाख औषधी आधारित पौधे जिसमे गिलोय (गुरूच) , पारिजात , तुलसी, नीम, आवला , अमरूद, अर्जून , पीपल, नीबू के पौधे जुलाई , अगस्त , सितम्बर एवं अक्टूबर चार माह मे अभियान चलाकर रक्षा के संकल्प के साथ लगायेगी , जिससे औषधि की उपलब्धता के साथ पर्यावरण संतुलित रहे लोगो को प्राकृतिक आक्सीजन शुद्ध मिले।

बिना शपथ बिना चाहत, गांव को करवाया सेनेटाइज

प्रखर खानपुर गाजीपुर।कोरोना के कारण नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों का शपथ ग्रहण नहीं हो सका।इस

दौरान कोरोना ने तेजी से अपना पांव पसार लिया। कोरोना का संक्रमण गांवों में दिखने लगा।वही इस बीच जनता ने जिसे अपना रहनुमा चुना था, अब वह उनके विश्वास पर खरा उतर रहे हैं। शपथ ग्रहण के बिना ही अधिकांश ग्राम प्रधान अपने फर्ज को निभाने में जुट गए हैं।इन्हीं लोगों में एक नाम सैदपुर विकासखंड के अमेहता गाँव के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान राकेश मिश्रा का भी है। उन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण को देखते हुए पूरे गांव व गलियों सड़को पर प्रत्येक ग्रामीणों के घर घूम-घूमकर सैनिटाइज कराया।

गांव की नालियों को साफ कराकर कराया दवाओं का छिड़काव- गांव की नालियों को साफ- सफाई करा कर उन में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया। ग्राम प्रधान ने बताया की कोरोना वायरस का संक्रमण गांव में न पहुंचे इसके लिए पूरे गांव को सैनिटाइज कराया जा रहा है। साथ ही कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी किया गया है। समय-समय पर नालियों को साफ तो कराते ही रहेंगे। साथ ही लोगों को उनकी जिम्मेदारी का अहसास दिलाते हुए अपने घरों के सामने पानी को न रुकने देने का अपील करेंगे, जिससे जल जमाव न होने पाए। समय-समय पर सैनिटाइज एवं छिड़काव कराया जाएगा।वही इस मौके पर ग्राम सचिव आजाद पांडेय क्षेत्रीय लेखपाल राकेश पांडेय व क्षेत्र पंचायत सदस्य ऋषिकेश मिश्रा के साथ ग्रामीण मौजूद रहे।

कोरोना से घबराएं नहीं सावधानी बरतें : मसूद हसन

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। शाहगंज नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ सभासद और सामाजिक कार्यकर्ता मसूद हसन ने कहा कि कोरोना कोविड से घबराने की जरूरत नहीं है। सिर्फ छोटी-छोटी सावधानियों को बेहद ही गंभीरता से लेते हुए खुद भी सजग रहें, और दूसरे और लोगों को भी सजग रहने के लिए प्रेरित करें।वह सोमवार को मीडिया के माध्यम से समाज के सभी वर्ग के लोगों को जागरूक कर रहे थे। उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों से अपील किया कि सभी लोग अनिवार्य रूप से मास्क का उपयोग करें और दो गज की दूरी बनाए रखते हुए सुरक्षित रहें। बुखार, जुकाम,और खांसी आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाएं। वहाँ चिकित्सकों स्वास्थ्य कर्मियों से मिलकर जांच कराएं। अपने आँख, कान और नाक को छूने से बचें। सामाजिक कार्यकर्ता श्री हसन ने आह्वान किया कि साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि कोरोना जैसी जानलेवा बीमारी से बचने के लिए यह सब बहुत जरूरी है। घर से तभी बाहर निकले जब बेहद ही जरूरी कार्य आ जाए, इस दौरान मास्क लगाते

हुए गमछा भी जरूर साथ मे रखें। बाहर से घर आने पर साबुन या सैनिटाइजर का उपयोग करें। अंत में उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों से कोरोना से बचाव के लिये कोरोना वैक्सीन लगवाने की अपील किया। वैक्सिन ही इस महामारी से बचाने के लिए सबसे बड़ा हथियार है।

ट्रक की चपेट मे आने से ससुर व बहु की दर्दनाक मौत, तीन साल की बच्ची बाल बाल बची

प्रखर जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर रेलवे क्रासिंग के पास सोमवार की सुबह करीब पौने दस बजे एक ट्रक की चपेट में आने से ससुर व बहू की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की तीन साल की बच्ची बाल-बाल बच गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। पुलिस ट्रक व चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सिकरारा थाना क्षेत्र के अलीशाहपुर गांव निवासी मुन्ना प्रसाद बिंद (50) अपनी बहू संगीता बिंद (28) व उसकी तीन साल की बेटी परी को बाइक पर बैठाकर उसके मायके गांव बबुरा थाना बदलापुर पहुंचाने जा रहे थे। सीहीपुर रेलवे क्रासिंग का फाटक पार करने के बाद नईगंज की तरफ बढ़ते ही गति अवरोधक पर बाइक असंतुलित हो गई। उसी समय पीछे से आ रहे ट्रक के धक्के से बाइक समेत तीनों गिर गए।

50 वर्ष की आयु के बाद कैसे जीना चाहिए? एक संदेश

प्रखर वाराणसी। यह सामान्य बात है, कि ५० वर्ष की आयु के बाद धीरे-धीरे शरीर में वृद्धावस्था आने लगती है। उस वृद्धावस्था में जैसे जैसे आयु और बढ़ती है, वैसे वैसे शरीर में शक्ति और कम होती जाती है। वृद्धावस्था में यदि शरीर हल्का होगा, तो उसे हिलाने डुलाने चलाने के लिए कम शक्ति से काम चल जाएगा। और यदि शरीर भारी होगा, तो भारी शरीर को हिलाने डुलाने चलाने में कठिनाई अधिक होगी। अब ४० वर्ष की आयु के बाद, जैसे-जैसे आयु बढ़ती है, वैसे-वैसे पाचन शक्ति कम होती जाती है. ४०/५० साल की उम्र तक व्यक्ति खाता पीता तो खूब रहता है, कोई कोई व्यक्ति कुछ कुछ शारीरिक व्यायाम भी करता है, और काम भी करता है। तो भाग दौड़ करने से, व्यायाम करने से खाया पिया भोजन पच जाता है। तब तक तो शरीर में भार अधिक नहीं बढ़ता। परंतु ४०/५० वर्ष की उम्र के बाद जब पाचन शक्ति कम होने लगती है, तब भोजन की मात्रा तो व्यक्ति कम करता नहीं, और भागदौड़ तथा व्यायाम कम हो जाता है, जिसका परिणाम यह होता है, कि भोजन ठीक से पूरा पचता नहीं। और न पचने से शरीर में चर्बी बढ़ती है, तथा भार बढ़ता जाता है। इससे फिर वृद्धावस्था में कठिनाई होती है। (यह भोजन ठीक से पूरा न पचना और न पचने से शरीर में चर्बी बढ़ना, तथा भार का बढ़ना, ४०/५० वर्ष की आयु से पहले भी हो सकता है। इसलिए सदा सावधान होकर खाना पीना चाहिए।) तो वृद्धावस्था आदि में शरीर का भार बढ़ने से आने वाली कठिनाई से बचने का उपाय यह है, कि ४० वर्ष की उम्र के बाद, जब शरीर में पाचन शक्ति घटने लगती है, तभी से अपने भोजन की मात्रा पर संयम आरंभ कर दें। अर्थात् भोजन थोड़ा कम खाएं।

आयुर्वेद का नियम है कि भोजन खाने से शक्ति नहीं आती, बल्कि पचाने से आती है. इसलिए उतना ही भोजन खाएं, जितना ठीक प्रकार से पच जाए। ठीक से भोजन पचने पर शक्ति पूरी मिलेगी, और शरीर में चर्बी एवं भार नहीं बढ़ेगा। परिणाम यह होगा, कि वृद्धावस्था में भी शरीर हल्का रहेगा और आप आसानी से सारे काम कर सकेंगे। यदि ऐसा नहीं करेंगे, तो भोजन ठीक से पचेगा नहीं। शरीर में चर्बी और भार बढ़ेगा। और आपको चलना फिरना उठना बैठना आदि सारे काम करने में कठिनाइयां आएंगी। इसलिए सावधानी का प्रयोग करें, ४०/५० वर्ष की आयु के बाद भोजन थोड़ा कम करें। अपने मन को भोजन से हटा कर, स्वाध्याय सत्संग व्यायाम ईश्वर का ध्यान यज्ञ आदि कार्यों में लगाए!

जन संघ सेवक मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष आयरन लेडी रीना सिंह कोटद्वार उत्तराखंड श्री नारायणी सेवा ट्रस्ट राष्ट्रीय सचिव।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने रेहड़ी, पटरी, ठेला, फुटपाथ पर कारोबार करने वाले सभी पंजीकृत पथ विक्रेताओं संघ किया वर्चुअल संवाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने सभी सम्मानित रेहड़ी, पटरी, ठेला, फुटपाथ पर कारोबार करने वाले सभी पंजीकृत पथ विक्रेताओं संघ वर्चुअल संवाद स्थापित किया गया` फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम ने बताया कि सभी वेंडर लीडरों को बताया कि कोविड 19 से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण पथ विक्रेताओं तक तत्काल राहत पहुचाने के लिए धनराशि 1000 रुपया मात्र एक माह के लिए दिए जाने का निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया है जिस संदर्भ में आज से नगर निगम वाराणसी व डूडा कार्यालय से फोन करके पथ विक्रेताओं का सम्पूर्ण डिटेल की जानकारी प्राप्त करने का कार्य प्रारम्भ हो गया है जिससे सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण

की जा रही है जिसमे सभी पात्र लाभार्थी से वेंडिंग स्थल,कारोबार का प्रकार,आधार कार्ड नम्बर व बैंक डिटेल चेक कर पूछा जा रहा है फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति आप सभी से आग्रह करती है व अनुरोध करती है की मांगी जा रही जानकारी विभाग को देने की कृपा करे जिससे सम्पूर्ण डिटेल उत्तर प्रदेश सरकार तक पहुच सके ।फेरी पटरी ठेला व्यवसा यी समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह महादेव ने कहा कि बढ़े लाक डाउन की समय सीमा के साथ साथ हम स्ट्रीट फूड /अन्य वेंडरों के वेंडिंग का समय जिला प्रशासन को बढ़ाने के लिए विचार करना चाहिए इस संदर्भ में संगठन माननीय मुख्यमंत्री जी को पत्राचार के माध्यम से शहर की स्थिति व समय सीमा बढ़ाने की मांग करेगी।सावधानी नोट- यह संपूर्ण योजना का लाभ किसी भी प्रकार के ठेला पटरी पर कारोबार करने वाले सर्वेक्षित पथ विक्रेताओं को मिलना है इस योजना का पैसा सीधे खाताधारक के खाते में आयेगा।योजनाओं के नाम पर धन उगाही करने वाले व्यक्तियों से विशेष सावधानी बरतें। इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल जिला प्रशासन व फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति को सूचित करें। बैठक में मुख्य रूप से शिवपुर अध्यक्ष शिवनाथ सोनकर ,नूर मोहमद ,शशिभूषण ,विजय यादव ,राम चन्द्र प्रजापति,सुरेंद्र यादव, अन्नू गुप्ता , शीला देवी, नजमुल ,विकाश यादव,आदि सैकड़ों पथ विक्रेता उपस्थित थे।

तपती धूप में श्मशान घाट पर मृत्यु सरकारी हैंडपंप बना मुर्दा

प्रखर पूर्वांचल बृजमनगंज न्यूज। बृजमनगंज ब्लाक में स्थित ग्राम सभा पृथ्वीपालगढ में स्थित बनहा का श्मशान घाट।जिसे मुक्ति धाम भी कहा जाता है। बृजमनगंज क्षेत्र के अधिकांश शवो का दाह संस्कार इस घाट पर किया जाता है।प्रतिदिन एक से दो शव घाट पर पहुचते हैं। आज इस कोविड महामारी में अधिकांश लोग बिमारी जैसे शुगर, ब्लड पेसर हार्ट अटैक आदि से आकस्मिक अकाल मृत्यु को प्राप्त हो जा रहे हैं।परंतु यह बडे ही दुर्भाग्य की बात है लोगों के जिंदा रहते भी राजनीति करने वाले अपना स्वार्थ सिद्ध किये।जब मरने के बाद घाट पर उतारा गया तो देखा कि वहां पहले से ही एक मुर्दा अपनी बदहाली के आंसू रो रहा है।जी हां हम बात कर रहे श्मशान में स्थित सरकारी हैंडपंप का जो काफी समय से बंद पड़ा है परंतु जिम्मेदार लोग ने अभी तक इसकी सुधि नही ली।इसे कहते हैं अंधेर नगरी चौपट राजा टका सेर भाजी टका सेर खाजा।क्षेत्र की जनता ने भी यही सोचा था पांच बर्ष बाद चुनाव होगा नया प्रतिनिधि चुना जायेगा परिवर्तन आयेगा विकास की लहर बहेगी परंतु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।इस तपती धूप में लोग अपने परिजनो के अंतिम यात्रा में सम्मिलित होकर श्मशान घाट पहुचते हैं।परंतु श्मशान घाट की दुर्दशा पर क्षेत्र एवं ग्राम के जनप्रतिनिधि ने अपनी संवेदना तक ब्यक्त नहीं की।एक कहावत है कि मुर्दो के कफन चुराकर लोग बेच दिया करते हैं परंतु यह कहावत यहां चरितार्थ है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दो दो बार सरकारी हैंडपंप के लिए सरकारी धन का बंदरबाट किया गया।तपती धूप में नदी पोखरे सूख रहे हैं क्रिया क्रम के बाद परिजन स्नान कैसे करे प्यास लग रही है अपनी प्यास कैसे बुझाये। सरकारी धन का घोटाला करने वाले लोगों की जांच कर कार्यवाही नहीं की गई तो ऐसे ही लोग सरकार की छवि धूमिल करते हैं। हम प्रदेश सरकार को बताना चाहते हैं ऐसे प्रदेश में सैकड़ों श्मशान घाट होंगे जिनकी दुर्दशा काफी दयनीय होगी आज इस कोविड महामारी में उन श्मशान घाट की स्थिति सुधारने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

पत्रकार एकता संघ की छठवीं वर्षगाँठ बड़ी धूमधाम से मनाई गई

प्रखर जौनपुर। रविवार को पत्रकार एकता संघ की छठवीं वर्षगांठ वाराणसी मंडल अध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा के आवास पर कोरोना महामारी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बड़ी

धूमधाम से मनाया गया। माननीय मंडल अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार एकता संघ की स्थापना 6 वर्ष पूर्व रविवार 23 मई को हुई थी। पत्रकारों को समाज में किसी प्रकार के अमानवीय कृत्यों को न झेलना पड़े यदि किसी पत्रकार भाई के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है तो संघ पूरी निष्ठा व तत्परता से पत्रकार के साथ खड़ा रहेगा। इस मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष जौनपुर संदीप गुप्ता ने कहा कि पत्रकार एकता सदैव पत्रकारों के हित के लिए सदैव तत्पर रहती है। वाराणसी मंडल मीडिया प्रभारी शिवम सिंह (एडवोकेट हाईकोर्ट) ने कहा कि संस्थापक महोदय नें संघ को बनाकर जो पत्रकार भाइयों को समाज में बल दिया है,उसके लिए संस्थापक को तथा संघ के समस्त पदाधिकारियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं । इस मौके पर उपस्थित रहें हिंदू भगवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रमेश सिंह,मोहम्मद कैफ,विनय कुमार, विकास गिरी, शाहिद अली,मोहम्मद अरशद ,मोहम्मद शाहनवर अंसारी, चंद्रेश यादव, साहिल उपाध्याय,अंकित दुबे, सन्दीप सिंह व संगठन के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

आनंदधर द्विवेदी को बस्ती मंडल विश्वामित्र मिशन को गोरखपुर मंडल के मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय पंचायतीराज प्रधान संगठन उत्तरप्रदेश की संस्तुति पर आनंदधर द्विवेदी को बस्ती मंडल विश्वामित्र मिशन को गोरखपुर मंडल के मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया.. प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय पंचायतीराज प्रधान संगठन उत्तरप्रदेश श्रीकौशल किशोर पाण्डेय की संस्तुति पर आनंदधर द्विवेदी को बस्ती मंडल का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। हम आपसे यह आशा एवम विश्वाश के साथ इस जिम्मेदारी का दायित्व आपको सौप रहे है कि आपके नेतृत्व में ग्राम प्रधान संगठन को मजबूती मिलेगी। और आप संगठन से जुड़े लोगों का मार्गदर्शन देकर नई दिशा प्रदान करेंगे। आपके प्रयाश से संगठन का संपूर्ण विकाश होगा।

जीवनदायनी साबित हो रहा है जीवनरथ एम्बुलेंस सेवा :गुड्डू खान

प्रखर पूर्वांचल नौतनवा न्यूज। कोरोना वायरस की इस दूसरी लहर ने मानव सभ्यता को झकझोरने के साथ ही साथ मानवता का क्षरण भी कर दिया और घर के लोग अपनो से बेगानो जैसा आचरण करने पर विवश है,रही-सही कसर सड़को पर बाधित आवागमन ने पूरी कर दी।ऐसी स्थिति में नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान द्वारा सेवा हेतू नगर पालिका परिषद नौतनवा में लाये गए जीवनरथ एम्बुलेंस गम्भीर मरीजो व प्रसूताओं के लिए जीवनदायनी साबित हो रहा हैं। सन 2018 में पालिका अध्यक्ष द्वारा

शुरू की गई एम्बुलेंस सेवा अनवरत मरीजो की सेवा में लगा हुआ है।इन तीन वर्षों के दरम्यान इसके चालक मोहम्मद कुरैश अपने परिवार की सुरक्षा छोड़ दिन हो या रात अपनी जान जोखिम में डालकर पूरी सूझबूझ,निष्ठा व कर्तव्य परायणता के साथ अब तक 531 मरीजो का जीवन बचाकर उन्हें अपनों के बीच सकुशल पहुचाने का कार्य किया है। इस एम्बुलेंस सेवा के 1100 दिन पूरे होने पर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान ने अस्वस्थता की स्थिति में आमजन से अपील करते हुए कहा कि "आज प्रदेश में जहाँ 108 की 2200, 102 की 2270 व 250 ए0एल0एस0 (एडवांस लाइफ सपोर्ट) एम्बुलेंस निरंतर लोगो की सेवा कर रहा हैं वही हमारा एम्बुलेंस भी उनका बखूबी साथ निभा रहा हैं।आप इस एम्बुलेंस सेवा का लाभ उठाने के लिए 6389636301 व 6389636302 पर 24 घण्टे फोन कर सकते हैं।

इम्पावर फाउंडेशन के द्वारा विश्वव्यापी वैश्विक (कोरोना) महामारी में भूख मुक्त भारत का हो रहा लगातार संचालन

प्रखर वाराणसी। इम्पावर फाउंडेशन के द्वारा विश्वव्यापी वैश्विक (कोरोना) महामारी के दूसरे एवं बेहद खतरनाक दौर में पिछले वर्ष के प्रथम लहर की भांति वर्ष पर्यन्त चलने वाले भुख मुक्त भारत एवं स्वच्छता जागरूकता युक्त भारत अभियान के तहत संस्था के अध्यक्ष वशिष्ठ राहुल मिश्र के नेतृत्व में देश में फैले इस महामारी के दौरान संस्था के माध्यम से वाराणसी शहर में खाद्य तथा आवश्यक सामग्री नियमित तौर पर व्यापक रूप से जरूरतमंदों, गरीब, कमजोर असहाय दिव्यांगों में वितरण किया जा रहा है । तथा लोगों से कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने एवं वैक्सीन लगवाने की अपील की जा रही है । इसी क्रम में गुरुधाम, दुगाकुंड , संकट मोचन,पर गरीब एवं जरूरतमंदों को भोजन मास्क आदि का वितरण किया गया एवं बिमारी से लडने हेतु काउंसलिंग किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के संरक्षक गोपाल कृष्ण उपाध्याय , सचिव प्रीती , बृजेश आदि उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं